WWW.NAVPRADESH.COM

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | देश विदेश 4 | अभिव्यक्ति 5 | आस-पास 7 | खेल/ बिजनेस

RNI NO - MPHIN/2020 /81503 जबलपुर, मंगलवार 4 नवंबर 2025 , शुक्ल पक्ष- चतुर्दशी , विक्रम संवत -2082 , वर्ष -5 अंक - 92 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

म्हारी छोरियों ने तो छोरों को भी पीछे छोड़ दिया। वूमेंस वर्ल्ड कप जीत कर नया इतिहास रच दिया। भारतीय शेरनियों ने पूरे विश्व को बता दिया कि - सुनो गौर से दुनिया वालों चाहे जितना जोर लगा लो सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी..। हरमन प्रीत कौर की टीम की इस स्वर्णिम उपलब्धि पर देशवासियों को अभूतपूर्व गौरव की अनुभूति हो रही है। बस पाकिस्तान में मातम पसरा है जहां के कथित क्रिकेट विशेषज्ञ अंत तक दक्षिण अफ्रीका की जीत की संभावना जता रहे थे। वे अहमक भूल गए कि दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने हरी जर्सी पहन रखी थी इसलिए टीम इंडिया ने उन्हें पाकिस्तानी समझ कर धोकर रख दिया।

अफगानिस्तान में भूकंप से 20 लोगों की मौत, 320 से अधिक घायल

काबुल (वार्ता)। अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में मजार-ए-शरीफ के समीप खुल्म में रविवार की रात शक्तिशाली भूकंप से 20 लोगों की मौत हो गयी और 320 से अधिक लोग घायल हो गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार स्थानीय समयानुसार कल रात लगभग 12:59 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.3 मापी गयी। भूकंप का केंद्र उत्तरी शहर मजार-ए-शरीफ के पास खुल्म से लगभग 22 किलोमीटर (14 मील) पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में रहा।

भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक के रूप में संजय गर्ग ने संभाला पदभार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा सोमवार को दी गई गई जानकारी के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक के रूप में संजय गर्ग ने पदभार ग्रहण किया है। गर्ग ने इस महीने की शुरुआत के साथ ही 1 नवंबर 2025 से नया पदभार ग्रहण किया है। वे केरल कैडर के आईएएस-1994 बैच के वरिष्ठ सिविल सेवक हैं।

जयपुर में सड़क हादसे में मची चीख-पुकार

डंपर ने 50 को रौंदा, 19 मौतें

जयपुर(ए.)। राजस्थान के जयपुर में दर्दनाक हादसा हो गया। जहां डंपर ने एक कार को टक्कर मारने के बाद 4 अन्य गाड़ियों को टक्कर मार दी। जिससे 19 लोगों की मौत हो गई। जबकि 40 के करीब लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, कई अन्य के कार के नीचे दबे होने की आशंका है। बताया जाता है कि यह हादसा हरमाड़ा थाना इलाके के लोहामंडी रोड पर हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डंपर के सामने जो आया उसको रौंदते चला गया। जिससे करीब 50 लोग कुचल गए। ड्राइवर शराब पिए हुआ था। पहली कार को टक्कर मारने के बाद वह रुका भी नहीं और 4 अन्य गाड़ियों में टक्कर मार दिया। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि डंपर चालक एक से 5 किलोमीटर तक जो मिला, उसे कुचलता चला गया।

पुलिस ने क्या कहा - पुलिस ने बताया कि एक डंपर चालक ने 5 कारों में टक्कर मारते हुए 50 लोगों को रौंद दिया। जिससे 19 लोगों की मौत हो गई। जबकि 40 के करीब घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डंपर चालक शराब के नशे में था। अभी भी कुछ लोगों के कारों के नीचे दबे होने की आशंका है। जिन्हें निकालने का काम किया जा रहा है।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है और डंपर चालक व मालिक दोनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इधर अपनों की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। फिलहाल पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है।

विचलित कर देंगी हादसे की तस्वीरें -हादसे की तस्वीरें भी आई हैं। जिसमें देखा जा सकता है कि डंपर के रौंदने से कई कारें उसके नीचे फंसी हुई हैं। वहीं एक वैन तो पूरी तरह से दबकर चिपक गई। डंपर के नीचे फंसी कारों को बचाव दल की तरफ से निकाला जा रहा है।

तेलंगाना दुर्घटना पर मोदी ने जताया दुख, अनुग्रह राशि देने का ऐलान

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुयी दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त जताते हुए प्रत्येक मृतक के परिजन को दो- दो लाख रूपये और प्रत्येक घायल को 50 हजार रूपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। श्री मोदी ने दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा, 'तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में दुर्घटना में हुई जन-हानि अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों को पचास -पचास हजार रुपए दिए जाएंगे।' यह दुर्घटना विकाराबाद-हैदराबाद खंड पर मिर्जागुडा-खानपुर रोड पर चेवेल्ला के पास सुबह करीब आठ बजे तब हुई जब बजरी से लदा एक ट्रक एक दोपहिया वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश में सरकारी बस से टकरा गया जिसके परिणामस्वरूप 19 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने चेवेल्ला बस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया

हैदराबाद (वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल में हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घटनास्थल पर तुरंत पहुँचने और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर स्थिति की पूरी जानकारी देते रहने को भी कहा। श्री रेड्डी ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि सभी घायल यात्रियों को तुरंत हैदराबाद पहुँचाया जाए और उन्हें सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उन्होंने जिलाधिकारी से राहत कार्यों में तेजी लाने और पीड़ितों और उनके परिवारों की सहायता के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को भी कहा।

प्रसंगवश

म्हारी छोरियों ने वूमेंस वर्ल्ड कप में रचा नया इतिहास

यशवंत धोटे

महिला क्रिकेट वल्ड कप में भारत की बेटियों ने अद्भुत, अकल्पनीय और अविस्मरणीय स्वर्णिम जीत दर्ज कर नया इतिहास रच दिया। हरमन प्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय शेरनियों ने अपनी दहाड़ से दुनिया को दहला दिया और यह साबित कर दिया कि म्हारी छोरियां छोरों से उन्नीस नहीं बल्कि इक्कीस हैं। वनडे वल्ड कप के इतिहास में भारतीय महिला टीम इसके पहले भी दो बार फायनल में पहुंची थी लेकिन दुर्भाग्यवश वल्ड कप उनके हाथ से फिसल गया था लेकिन इस बार भारत की बेटियों के इरादे मजबूत थे और हौसले बुलंद थे। उनके साथ देश के 140 करोड़ लोगों की दुआएं भी थी। जब सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने सात बार की विश्व विजेता आस्ट्रेलिया को हराकर पिछला हिसाब बराबर किया था तभी यह तय हो गया था कि कंगारूओं का शिकार करने वाली भारतीय शेरनियां फायनल में भी अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखकर वल्ड कप भारत की झोली में डालने में निश्चित रुप से सफल होंगी। अंततः वही हुआ और भारतीय महिला टीम ने वूमेंस वल्ड कप जीतकर नया कीर्तिमान रच दिया। 1973 से शुरू हुए वूमेंस वल्ड कप में आस्ट्रेलिया सात बार और इंग्लैंड चार बार विश्व विजेता बनी हैं। सिर्फ एक बार न्यूजीलैंड वल्ड कप जीत पाई थी और अब भारतीय महिला क्रिकेट टीम वल्ड कप जीतने वाली चौथी टीम बन गई हैं। इसी के साथ वनडे वल्ड कप जीतने के मामले में भारत की हैट्रिक हो गई। 1983 में कपिल देव के नेतृत्व में और 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी के नेतृत्व में भारत ने वल्ड कप जीता था और अब हरमन प्रीत कौर के नेतृत्व में महिला क्रिकेट टीम ने यह चमत्कार कर दिखाया है। जिसे देश ही नहीं पूरी दुनिया नमस्कार कर रही है। यह जीत हमारी बेटियों के संकल्प, संघर्ष, समर्पण और सुनहरे सपनों की जीत है। इस उपलब्धि के लिए बीसीसीआई भी बधाई का पात्र है जिसने महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाई है। जय शाह की अगुवाई में बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों को जैसा प्रोत्साहन दिया वैसा पहले नहीं मिलता था। यहां तक की दो दो बार फायनल में पहुंचने के बावजूद महिला क्रिकेट टीम की खिलाडियों के नाम अधिकांश लोग नहीं जानते थे। आज देश का बच्चा बच्चा भारतीय बेटियों को पहचानने लगा है। पहले जब बीसीसीआई पर राजनीति हावी थी तो प्रतिभाओं को नजरअंदाज किया था और पैसे व पहुंच के आधार पर चयन होता था। उस समय 2005 में महिला क्रिकेट टीम की तत्कालीन कप्तान मिताली राज ने अपनी पीड़ा व्यक्त की थी कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद महिला क्रिकेट टीम उपेक्षा का दंश झेल रही है। बहरहाल अब स्थिति बदल गई है। जय शाह के बीसीसीआई की कमान संभालने और आईसीसी के अध्यक्ष बनने के बाद भारतीय क्रिकेट के दिन बहुरने लगे हैं। भारत की बेटियों ने वल्ड कप ही नहीं करोड़ों क्रिकेट प्रशंसको का दिल भी जीत लिया है। उनके जीत के जज्बे को सलाम। भारत के भाल पर विजय तिलक लगाने वाली वीरांगनाओं का वंदन, अभिनंदन।

राजद-कांग्रेस सरकार की गलतियों से कोशी के लोग एक दशक तक उपेक्षित रहे: मोदी

सहरसा (वार्ता)। बिहार में अपने चुनाव अभियान के दौरान सोमवार को सहरसा में प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस सरकार की गलतियों से कोशी क्षेत्र के लोग एक दशक तक उपेक्षित रहे।

श्री मोदी ने कहा कि कोशी क्षेत्र के जिलों सहरसा, पूर्णिया, सुपौल, अररिया और मधेपुरा की उपेक्षा पर सबसे पहली नजर अटल बिहारी वाजपेयी की केंद्र सरकार की पड़ी थी। इसके बाद उनकी सरकार ने 2003 कोशी पुल का शिलान्यास किया जो इस क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने कहा कि 2005 में बिहार ने राजद की सरकार सत्ता से बाहर हो गयी और नीतीश कुमार की सुशासन वाली सरकार ने प्रदेश मे कमान सम्हाला। उस समय 2004 में केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार जा चुकी थी और कांग्रेस पार्टी के नेता नए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह राजद की बैशाखी ले कर सरकार चला रहे थे। उन्होंने कहा कि 2005 में बिहार की सत्ता से बाहर होने के बाद आगबाबूली राजद की सरकार ने केंद्र की सरकार पर दबाव डाला कि वह बिहार में विकास की गति को अवरुद्ध कर दे और इसी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

डोनाल्ड ट्रंप ने उगल दिया सच

गुफा में पाकिस्तान कर रहा है परमाणु परीक्षण?

नई दिल्ली(ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में परमाणु परीक्षण की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका परमाणु हथियारों के परीक्षण की प्रक्रिया तुरंत फिर से शुरू करेगा। इसी के बाद अब पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की टेस्टिंग को लेकर ट्रंप ने बड़ा खुलासा किया है।

ट्रंप ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जो सक्रिय रूप से परमाणु टेस्टिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूस, चीन, नॉर्थ कोरिया और पाकिस्तान जैसे देशों की गतिविधियां इस बात का सबूत हैं कि अमेरिका को भी अपने परमाणु टेस्ट फिर से शुरू करने चाहिए।

रूस-चीन कर रहे टेस्टिंग: सीबीएस न्यूज के 60 मिनट के कार्यक्रम में रविवार को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, रूस और चीन टेस्ट कर रहे हैं, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अनिल अंबानी पर ईडी का एक्शन 3000 करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली (ए.)। देश के बड़े उद्योगपति अनिल अंबानी के ऊपर ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी 3 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। इनमें मुंबई का पाली हिल वाला घर और दिल्ली का रिलायंस सेंटर शामिल है। इस खबर का असर आज उनकी कंपनियों पर देखने को मिल रहा है। जहां ओक ईडी की कार्रवाई उन पर हुई है। वहीं, दूसरी ओर उनकी दो प्रमुख कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। खबर लिखे जाने तक इन दो कंपनियों से ही अंबानी को 1831 करोड़ रुपये का झटका लग गया है।

ईडी की ओर से प्रॉपर्टी जब्त करने के बाद से ही आज बाजार खुलने के बाद अनिल अंबानी की कंपनी पर इसका नकारात्मक असर दिखाई देने लगा। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों पर कारोबार के समय शेयरों पर 5 फीसदी की गिरावट के साथ ही करीब 11 बजे लोवर सर्किट लग गया, जिससे कंपनी के शेयरों के दाम करीब 10 रुपये के झटके ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

मुख्यमंत्री ने किया एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

राज्य सरकार का ध्येय सबके लिए रोशनी-सबके लिए प्रगतिः सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऊर्जा विभाग की समाधान योजना का किया शुभारंभ

योजना से 90 लाख से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ

3 हजार करोड़ रूपये से अधिक बिजली बिल पर होगा सरचार्ज माफ

वर्ष 2024-25 में 35 लाख से अधिक किसानों को 18 हजार करोड़ रूपए से अधिक की बिजली सब्सिडी दी गई

किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए सरकार है संकल्पित

एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी का नवीन भवन, बेहतर प्रबंधन और कार्य क्षमता वृद्धि में सहायक होगा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समाधान योजना से प्रदेश के 90 लाख से अधिक नागरिकों को लाभ होगा। यह योजना उन उपभोक्ताओं के लिए राहत का द्वार खोल रही है, जो किसी कारणवश समय पर अपने बिजली बिल नहीं भर पाए। इस योजना में तीन माह या उससे अधिक समय से बिल बकाया रखने वाले घरेलू, गैर घरेलू ,कृषि तथा औद्योगिक उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट प्रदान की जाएगी। योजना से बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिलने के साथ ही राज्य की बिजली व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। इस कदम से जनता का भरोसा और शासन की पारदर्शिता एक साथ बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर समाधान योजना की शुरूआत की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पॉवर मैनेजमेंट कंपनी का नया भवन, कंपनियों के प्रबंधन और कार्य क्षमता में वृद्धि में सहायक होगा। नए भवन से ऊर्जा प्रबंधन और जन सामान्य से बेहतर समन्वय में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाधान योजना के शुभारंभ और एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की ऑल राउंडर महिला क्रिकेट खिलाड़ी क्रांति गौड़ को एक करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर दें संवेदनशीलता का परिचय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷समाधान योजना% 2025-26÷ से प्रदेश के 90 लाख उपभोक्ताओं का 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक बिजली बिल पर सरचार्ज माफ किया जा रहा है। समाधान योजना में 3 माह तक का सरचार्ज रखने वाले उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत सरचार्ज छूट का लाभ मिलेगा। ऊर्जा विभाग के सोमवार को लोकार्पित भव्य भवन से विभाग में कार्यरत तीनों कंपनियों के संचालन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह नया भवन ऊर्जा प्रबंधन, तकनीकी नवाचार और जनसेवा का केन्द्र बनेगा। किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए सरकार संकल्पित है। आशा है विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधियों से सतत् संवाद और आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण से अपनी संवेदनशीलता का परिचय देंगे।

वर्ष 2030 तक 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत नवकरणीय स्त्रोतों से पूर्ण करने का है हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ÷सबके लिए रोशनी-सबके लिए प्रगति%% का ध्येय लेकर प्रदेश में गतिविधियां संचालित कर रही है। खेत हो या कारखाने, शहर हो या गांव हर घर में रोशनी इसका प्रमाण है। ऊर्जा विभाग से वर्ष 2024-25 में लगभग 35 लाख से अधिक किसानों को 18 हजार करो? रूपए से अधिक की बिजली सब्सिडी दी गई। राज्य सरकार ने विभिन्न नीतिगत निर्णयों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत् विकास को प्राथमिकता दी। इंडस्ट्रियल प्रमोशन पॉलिसी, रिन्यूबल एनर्जी पॉलिसी 2025 और पंप हाइड्रो पॉलिसी-2025 के अंतर्गत औद्योगिक निवेश के लिए कई आकर्षक प्रोत्साहन दिए गए हैं। राज्य में 62 गीगावाट सौर, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जलेबी बनानी और मछली पकड़नी थी तो राहुल रसोइया बनते, राजनीति में क्यों आए : तेज प्रताप

पटना (आईएएनएस)। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने एक बार फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मछली पकड़ने के लिए तालाब में कूद जाते हैं। कभी जलेबी बनाने लग जाते हैं। अगर उन्हें मछली पकड़ना और जलेबी बनाना इतना ज्यादा पसंद है तो वे राजनीति में क्यों आए? जाकर रसोइया बन जाते।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान तेज प्रताप यादव ने अपने अंदाज में कहा कि देश अंधकार में जा रहा है और राहुल गांधी मछली पकड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का काम ही मोटरसाइकिल चलाना और प्रदूषण फैलाना है। राहुल गांधी जिंदगी भर मछली ही पकड़ते रहेंगे क्योंकि रोजगार की बात हो नहीं रही है। अगर मछली और जलेबी बनाना पसंद है तो रसोइया बन जाइए, राजनीति में क्या कर रहे हैं।

तेजप्रताप ने महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर कहा कि वे उनके विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के लिए जाएंगे, हमें कोई रोक सकता है। राघोपुर में दो हेलीकॉप्टर उतारेंगे।

उन्होंने तेजस्वी यादव के उस बयान पर भी पलटवार किया है, जिसमें तेजस्वी ने कहा कि पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता है, जवाब में तेज प्रताप ने कहा कि हम छोटे भाई से कहना चाहेंगे कि पार्टी से बड़ी जनता होती है। लोकतंत्र में जनता मालिक होती है, पार्टी या परिवार कुछ भी नहीं होता है। महुआ मेरे लिए पार्टी और परिवार से कहीं ज्यादा बढ़कर है। पार्टी एक व्यवस्था है, लेकिन जनता हमारी मालिक है।

तेजप्रताप ने कहा कि मुझे मेरी जनता पर पूर्ण भरोसा है कि वे भारी मतों से मुझे जिताएंगे और विधानसभा में भेजेंगे।

सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार को दी चुनौती, कहा- 2026 में द्रमुक बरकरार रखेगी सत्ता

चेन्नई (आईएएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि कोई भी झूठा प्रचार या राजनीतिक जोड़-तोड़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को 2026 में राज्य में अगली सरकार बनाने से नहीं रोक सकता।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी धर्मपुरी में द्रमुक सांसद ए. मणि के परिवार के सदस्य के विवाह समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए की।

मुख्यमंत्री स्टालिन इससे पहले एक निजी विमान से चेन्नई से सलेम गए और समारोह में शामिल होने और वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए कार से धर्मपुरी पहुंचे।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने संबोधन के दौरान चुनाव आयोग पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से एक 'दुर्भावनापूर्ण अभ्यास' को लागू करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले वास्तविक मतदाताओं, खासकर भाजपा विरोधी माने जाने वाले मतदाताओं को हटाना है।

उन्होंने कहा, ÷इस लोकतंत्र-विरोधी कदम को रोकने के लिए, हमने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई और एसआईआर की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। चुनाव से कुछ महीने पहले मतदाता सूची का पूर्ण पुनरीक्षण करने का आयोग का निर्णय, वैध मतदाताओं को हटाने की सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है।÷

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि बिहार में भी यही हथकंडा अपनाया गया था, जहां लाखों वास्तविक मतदाताओं को कथित तौर पर सूची से हटा दिया गया था। इस विवादास्पद प्रक्रिया का विरोध सबसे पहले तमिलनाडु से हुआ था, जिसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के विपक्षी नेता ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी।मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, ÷कानूनी मामला दर्ज होने के बाद भी, चुनाव आयोग ने कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया।अन्नाद्रमुक महासचिव ए. पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए, मुख्यमंत्री स्टालिन ने उन पर दोहरा खेल खेलने और भाजपा के साथ अपने राजनीतिक संबंधों के कारण आयोग से डरने का आरोप लगाया।

उन्होंने आगे कहा कि जहां बिहार के प्रवासी मजदूरों को तमिलनाडु में रोजी-रोटी और सम्मान मिला है, वहीं प्रधानमंत्री 'चुनावी फायदे के लिए बिहार में राजनीतिकरण कर रहे हैं।'

मुख्यमंत्री स्टालिन ने राजनीतिक चुनौती देते हुए कहा, ÷प्रधानमंत्री तमिलनाडु आएं और वही बयान दें जो उन्होंने बिहार में दिए थे।

बिहार में अभी है जंगल राज और एनडीए 2005 के पहले की करता है बात : सुरेंद्र राजपूत

लखनऊ (आईएएनएस)। बिहार के मोकामा में जनसुराज समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या पर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने एनडीए पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में जंगलराज देखने को मिल रहा है और वे 20 साल पहले की बात कर रहे हैं। आज खुलेआम हत्या हो रही है और सरकार अपना काम नहीं देख रही है। सुरेंद्र राजपूत ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ÷आज बिहार में जंगलराज देखने को मिल रहा है। जिस पर हत्या का आरोप है, सरकार उसे वीआईपी व्यवस्था दे रही है और ये लोग 2005 के पहले वाली सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। अगर वे वीआईपी व्यवस्था न देते तो उसे मोकामा की जेल में होना चाहिए था। यह सब सरकार इसलिए कर रही है क्योंकि वह सत्ताधारी पार्टी के प्रत्याशी हैं।यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान 'जय श्री राम का नारा अब अराजकता फैलाने का लाइसेंस बन गया है' पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, ÷स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे लोग अब राजनीति में फंक्शनल नहीं रह गए हैं। अपने आपको मीडिया पर लाने के लिए, अखबारबाजी करने के लिए ऐसे विवादित बयान दिया करते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसे विवादित बयानों की सभ्य समाज में कोई जगह नहीं है। ऐसे लोगों पर टीका-टिप्पणी करके उन्हें व्यवस्था का अंग नहीं बनाया जाना चाहिए, जो लोग समाज को विभाजित करने का काम करते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर सरकार का ध्यान, : केंद्रीय मंत्री

पीएम मोदी के नेतृत्व में जारी अभियान

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सूचना प्रौद्योगिकी, रेलवे और सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने वाला एक अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर विनिर्माण देश के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ये क्षेत्र बहुत तेजी से और अच्छी प्रगति कर रहे हैं। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुजरात में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब परियोजनाओं की प्रगति का विवरण प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया की उपस्थिति में गांधीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने इस बैठक में एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से धोलेरा और साणंद में निर्माणाधीन टाटा,

माइक्रोन और सीजी सेमीकॉन जैसी सेमीकंडक्टर परियोजनाओं और रेल, सड़क व हवाई संपर्क के लिए जरूरी बिजली, पानी, रसद और सामाजिक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक में कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर परियोजनाएं शुरू करने के लिए पहले भी कई प्रयास किए गए थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के साथ ही ये महत्वपूर्ण परियोजनाएं भारत में चालू होने जा रही हैं। लोगों को विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात को सेमीकंडक्टर हब के रूप में अग्रणी बनाने के लिए प्रधानमंत्री के निर्देशन में जो वातावरण बना है, उसे बनाए रखना और समयबद्ध योजना बनाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय करके सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने नियमित अनुवर्ती बैठकें आयोजित करने और सभी कार्यों को समय और सटीकता के साथ पूरा करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया कि धोलेरा निकट भविष्य में उच्च तकनीक उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बनेगा और कहा कि दुनिया के लगभग सभी देशों की नजर देश के सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर है और सेमीकंडक्टर उद्योग के संदर्भ में गुजरात और धोलेरा का विशेष रूप से उल्लेख किया जाता है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बैठक में लगभग 10 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का विवरण प्राप्त करने और उनसे संबंधित मामलों के लिए नियमित अनुवर्ती बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के संबंधित विभाग सेमीकंडक्टर उद्योगों को आवश्यक सहायता के लिए हर समय उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार हसमुख अधिया, केंद्र और राज्य सरकारों के संबंधित विभागों के वरिष्ठ सचिव और टाटा, सेमीकॉन, सीजी और माइक्रोन के प्रतिनिधि भी इस बैठक में उपस्थित थे।

दिल्ली : एस जयशंकर ने बहरीन के विदेश मंत्री अलजयानी से की मुलाकात

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी से मुलाकात की और भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की 5वीं बैठक में उत्पादक चर्चा की उम्मीद जताई। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ÷बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी का नई दिल्ली में स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। पांचवीं भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की सार्थक चर्चाओं की प्रतीक्षा है।विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी रविवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की पांचवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए भारत पहुंचे। इस कदम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ÷बहरीन साम्राज्य के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी का हार्दिक स्वागत है। वह विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ पांचवीं भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। यह यात्रा भारत-बहरीन संबंधों में सकारात्मक गति को और बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है।

राहुल गांधी के मछलियां पकड़ने पर कटाक्ष करना निषाद समाज का अपमान : मुकेश सहनी

पटना (आईएएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2 नवंबर को बेगूसराय में एक तालाब पर गए थे। इस दौरान उन्होंने स्विमिंग की और मछलियां पकड़ीं। उनके तालाब में उतरने से बिहार की राजनीति में आग लग गई है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी पहले जलेबी बना रहे थे, अब मछली पकड़ रहे हैं। अब महागठबंधन की ओर से डिप्टी सीएम पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी ने उनके बयान पर पलटवार किया है। विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी ने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि राहुल गांधी मछुआरा समुदाय की मुश्किलें देखने गए थे। वे यह देखने गए थे कि मछुआरे कैसे मेहनत करते हैं और अपना परिवार चलाने के लिए संघर्ष करते हैं। क्या यह सम्मान के योग्य नहीं है?अगर प्रधानमंत्री मोदी या एनडीए को राहुल गांधी के तालाब पर जाने से ठेस पहुंचती है तो यह निषाद समुदाय का अपमान है। अगर कोई निषाद समाज को समझने जा रहा है तो उस पर कटाक्ष करना निषाद समाज का अपमान है।

कटिहार में पीएम मोदी की रैली को लेकर लोग उत्साहित

कहा- सरकार ने गरीबों के लिए चलाई कई योजनाएं

कटिहार (आईएएनएस)। बिहार के कटिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली को लेकर स्थानीय लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। लोगों ने कहा कि बिहार में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ी है और इसका बड़ा श्रेय राज्य सरकार की नीति और केंद्र की सहायता को जाता है।

रैली में शामिल होने जा रहे एक स्थानीय निवासी ने आईएएनएस से कहा, ÷बहुत अच्छा लग रहा है, हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे कटिहार आए हैं। यह जगह ऐतिहासिक है। महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण के मामले में बिहार ने जो काम किया है, वह पूरे देश में मिसाल है। चाहे पुलिस विभाग में भर्ती की बात हो या रोजगार में 35 प्रतिशत आरक्षण, महिलाओं को बहुत अवसर दिए गए हैं।रैली में पहुंचने वाले एक अन्य उत्साही व्यक्ति ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत कुछ किया है। जीविका समूह से जुड़े लोगों को लाभ दिया है, रक्षा क्षेत्र में भी बड़ी सुविधाएं दी गई हैं। गरीबों के लिए भाजपा सरकार ने कई योजनाएं चलाई हैं। कई जरूरतमंदों को 10,000 रुपए तक की मदद दी गई है और दूसरी सुविधाएं भी मिली हैं।÷

लोगों ने यह भी बताया कि कटिहार और आसपास के इलाकों में गरीब परिवार केंद्र सरकार की योजनाओं से काफी प्रभावित हुए हैं और उन्हें जीवन सुधारने में सहायता मिली है।

भीड़ में मौजूद कई लोगों ने याद दिलाया कि यह पीएम मोदी का पहला दौरा नहीं है। एक स्थानीय नागरिक ने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी यहां आ चुके हैं।

तेजस्वी यादव का एजेंडा रोजगार और भाजपा करती है कट्टे की बात : मीसा भारती

पटना (आईएएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल की नेता मीसा भारती ने पीएम मोदी के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा लगाकर मुख्यमंत्री पद चोरी कर लिया। बीजेपी पर निशाना साधते हुए मीसा भारती ने कहा कि तेजस्वी यादव बिहार के युवाओं के लिए रोजगार की बात करते हैं और दूसरी तरफ कट्टा की बात हो रही है।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान राजद नेता ने कहा कि चुनाव में महागठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव रोजगार, कारखाने लगाने और रोजगार देने की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कट्टा की बात हो रही है।

मीसा भारती ने तंज कसते हुए कहा कि इसीलिए बिहार में एनडीए नेताओं के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे लोगों पर कट्टा चला रहे हैं। पीएम मोदी जब कट्टा जैसे शब्दों का प्रयोग करेंगे तो आप दूसरों से क्या उम्मीद कर सकते हैं?

पीएम मोदी के रोड शो में नीतीश कुमार के शामिल नहीं होने पर मीसा भारती ने कहा कि भाजपा को नीतीश कुमार की नहीं, उनके वोट बैंक की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि चुनावी सभाओं के दौरान हमारे परिवार को टारगेट किया जा रहा है और गालियां दी जा रही हैं। अगर हमारे परिवार को गाली देने से बिहार की तरक्की होती है तो ऐसा करते रहिए, हमारे परिवार में कोई टेंशन नहीं है। हम सभी एकजुट हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत पर मीसा भारती ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट टीम को शुभकामनाएं। पहली बार भारत ने खिताब जीता है। सभी टीम सदस्यों को शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि अब तक पुरुष टीम पर ज्यादा ध्यान दिया जाता रहा है और अब वक्त आ गया है कि महिला खिलाड़ियों पर भी ध्यान दिया जाए। हमारी लड़कियों ने इतिहास रचने का काम किया है।

बिहार में होगा सत्ता परिवर्तन, इस आंधी से उत्तर प्रदेश में बनेगी अखिलेश सरकार : सपा सांसद

पटना (आईएएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के स्टार प्रचारक बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए मैदान में उतर चुके हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बाद सोमवार को सपा सांसद अवधेश प्रसाद पटना पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि बिहार में निश्चित तौर से सत्ता परिवर्तन होगा और महागठबंधन की सरकार बनेगी। सांसद अवधेश प्रसाद ने मीडिया से बातचीत में कहा, ÷अखिलेश यादव ने बिहार में चल रहे चुनावों के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में मेरा नाम शामिल किया है। अयोध्या की धरती के दिव्य मतदाताओं, वहां की जनता, भगवान श्री राम, भगवान हनुमान और मां सरयू के आशीर्वाद के साथ-साथ हमारे नेता अखिलेश यादव के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से मैं अयोध्या में विजयी हुआ।

राहुल गांधी दिखावे के लिए तालाब में कूदे, मनोज तिवारी

पटना (आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच 2 नवंबर को बेगूसराय में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक तालाब में महागठबंधन के डिप्टी सीएम पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के साथ उतरे। राहुल गांधी ने मछली पकड़ी और तैराकी भी की। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने इसे 'दिखावा' करार दिया है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है, वहां मल्लाह समाज के लिए कांग्रेस ने क्या किया है?

भारत का एमएंडए मार्केट लगातार मजबूती का प्रदर्शन कर रहा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। ग्लोबल डीलमेकिंग अनिश्चितता के नए दौर के मुताबिक खुद को ढाल रही है, वहीं दूसरी ओर भारत का एमएंडए परिदृश्य लगातार मजबूती का प्रदर्शन कर रहा है, जो कि निवेशकों के देश की ग्रोथ फंडामेंटल में निरंतर विश्वास को दर्शाता है। यह जानकारी बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष एक मुश्किल शुरुआत के बाद ग्लोबल एमएंडए मार्केट दोबारा से गति पकड़ रहा है। 2025 के पहले 9 महीनों में ग्लोबल डील वैल्यू बीते वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बढ़कर 1.9 ट्रिलियन डॉलर दर्ज की गई है। मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच यह रिकवरी एक्सपीरियंस्ड डीलमेकर्स के कुछ सेलेक्टेड ग्रुप के अनुशासित, रणनीतिक बेट के कारण दर्ज की गई।बीसीजी के मैनेजिंग डायरेक्टर और पार्टनर ध्रुव शाह ने कहा, जहां एक ओर इस वर्ष 2025 में ग्लोबल डील वैल्यू में कुछ रिकवरी दर्ज की गई है, वहीं भारत महामारी के बाद की रिकवरी के बाद से एवरेज से अधिक ट्रांजैक्शन वॉल्यूम को बनाए रखने में सफल रहा है। ग्लोबल ट्रेंड अधिक डील वैल्यू और कम वॉल्यूम के साथ दिख रहा है, वहीं, भारत ने डील एक्टिविटी में बढ़त और वैल्यू को लेकर 3 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज करवाई है ।

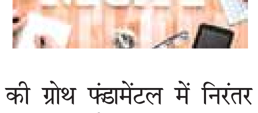

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 35 मछुआरों को किया गिरफ्तार

चेन्नई (आईएएनएस)। सोमवार तड़के तमिलनाडु के 35 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन (आईएमबीएल) पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। ये पाक की खाड़ी में मछली पकड़ने के अधिकारों को लेकर चल रहे एक और तनाव को उजागर करने वाली घटना है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां श्रीलंका के उत्तरी तट के पास तब हुईं जब नौसेना के गश्ती जहाजों ने भारतीय मछुआरों की तीन मशीनी नावों को रोका।

तीनों नावें और मछली पकड़ने का सारा सामान जब्त कर लिया गया। पकड़े गए लोगों में से 31 मछुआरे नागपट्टिनम जिले के रहने वाले हैं और रविवार शाम को अक्कराईपेट्टई और थोप्पुथुरई स्थित बंदरगाहों से निकले थे।

बाकी चार मछुआरे रामनाथपुरम जिले के थे।

बताया जा रहा है कि वे गहरे समुद्र में मछली पकड़ रहे थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना ने उन्हें रोक लिया और उन पर समुद्री सीमा का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। शुरुआती रिपोर्टों में बताया गया कि पकड़े गए मछुआरों को पूछताछ के लिए उत्तरी श्रीलंका के कांकेसंतुरई बंदरगाह ले जाया गया।

जब्त की गई नावों और उपकरणों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जाफना में मत्स्य विभाग को सौंप दिया गया है।

गिरफ्तारी की खबर से नागपट्टिनम और रामनाथपुरम के मछुआरा समुदाय में चिंता फैल गई है।

पकड़े गए मछुआरों के परिवारों ने तमिलनाडु और केंद्र सरकार दोनों से उनकी रिहाई के लिए तुरंत दखल देने की अपील की है।

मछुआरों के संगठनों ने बार-बार होने वाली इन गिरफ्तारियों की निंदा की है और नई दिल्ली और कोलंबो के बीच राजनयिक बातचीत करने की अपील की है ताकि बार-बार होने वाले समुद्री विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

मछुआरों के यूनियन के प्रतिनिधियों ने बताया कि खराब मौसम और खराब नेविगेशन सुविधाओं के कारण अक्सर मछली पकड़ने वाली नावें आईएमबीएल के करीब चली जाती हैं, जिससे अनजाने में सीमा पार हो जाती है। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार मछुआरों और उनकी नावों को वापस लाने के प्रयास तेज करे, और मछली पकड़ने के साफ अधिकार तय करने और संयुक्त गश्त को बढ़ावा देने के लिए द्विपक्षीय बातचीत फिर से शुरू करे।

राहुल गांधी 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की धुन पर 'नागिन डांस' कर रहे थे : तरुण चुघ

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव तरुण चुघ ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कांग्रेस माओवादी विचारधारा का ठिकाना बन गई है। उन्होंने कहा कि जंगलराज के युवराज अब पोस्टर बॉय बन चुके हैं। कांग्रेस की सोच अब पूरी तरह विभाजनकारी हो चुकी है और उसका राजनीतिक स्वरूप लगातार बदलता जा रहा है। तरुण चुघ ने आईएएनएस से कहा, ÷कांग्रेस पार्टी अब माओवादियों का अड्डा बन गई है। जंगलराज में जिन लोगों ने कानूनविहीनता का फायदा उठाया, वे आज कांग्रेस में मुख्य चेहरे बन गए हैं।चुघ ने विशेष रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला देते हुए कांग्रेस नेताओं पर करारा प्रहार किया।

टी.बी. उन्मूलन में हर व्यक्ति की हो सहभागिता : राज्यपाल पटेल

देश, प्रदेश सबके साथ और प्रयास से होगा टी.बी. मुक्त

राज्यपाल ने किया 76वें टी.बी. सील अभियान का शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि टी.बी. उन्मूलन के लिए सबसे कारगर उपाय जागरूकता है। हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि टी.बी. जागरूकता कार्यक्रमों का हिस्सा बनें और टी.बी. उन्मूलन में सक्रिय सहभागिता करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबके प्रयास से टी.बी. मुक्त भारत अभियान सफल होगा। देश और प्रदेश टी.बी. मुक्त बनेगा। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को मध्यप्रदेश टी.बी. एसोसिएशन के 76वें टी.बी. सील अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने टी.बी. मरीजों को पौष्टिक आहार का वितरण किया। साथ ही निक्षय मित्रों, चिकित्सकों, दानदाताओं और समाज सेवी संस्थाओं का सम्मान किया। राज्यपाल श्री पटेल ने नागरिकों से कहा है कि अपनी योग्यता और क्षमता से टी.बी. रोगियों की मदद करें। मानवता की सेवा में ही जीवन की सार्थकता है। पीड़ित और जरूरतमंद की मदद पुण्य का महान कार्य है। इससे ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने टी.बी. उन्मूलन के एकजुट और एकमत विश्वास को व्यक्त करने आयोजन की थीम ÷हाँ, हम टी.बी. को समाप्त कर सकते हैं÷ की सराहना की। टी.बी. रोग उन्मूलन के सतत प्रयासों के लिए टी.बी. एसोसिएशन से संबद्ध समर्पित पदाधिकारियों, संबंधित विभागों और समाज सेवी संस्थाओं को बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के टी.बी. मुक्त भारत अभियान के संकल्प को मध्यप्रदेश में जन आंदोलन बनाने के लिए साधुवाद दिया।

समय पर दवाई लें, पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम करें

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि टी.बी. संक्रामक रोग है। इस रोग को समझना जरूरी है। सही समय पर सही और नियमित उपचार से रोग को खत्म किया जा सकता है। टी.बी. मरीज समय पर दवाई लें। दवाई का कोर्स पूरा भी करें। खान-पान का विशेष ध्यान रखें। भोजन में मोटे अनाज आदि पौष्टिक आहार को शामिल करें। भरपूर पानी पीयें नींद लें और नियमित व्यायाम करें। उन्होंने कहा कि रोगी अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत और संयमित रहें। अनुशासित जीवन शैली को अपनाएं। राज्यपाल श्री पटेल का टी.बी. एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जयपाल सचदेव ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया और बैज लगाकर अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष श्री सचदेव ने स्वागत उद्बोधन दिया। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने टी.बी. रोग के इलाज, पौष्टिक आहार वितरण और रोग उन्मूलन के मानवीय प्रयासों के लिए टी.बी. एसोसिएशन, चिकित्सकों, दानदाताओं और समाजसेवियों की सराहना की। भोपाल नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी ने कहा कि टी.बी. रोग को समुचित इलाज और जागरूकता से हराया जा सकता है। वार्षिक प्रतिवेदन एसोसिएशन के सचिव डॉ. मनोज वर्मा ने प्रस्तुत किया। आभार कोषाध्यक्ष अभिजीत देशमुख ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में सी.एम.एच.ओ. डॉ. मनीष शर्मा, टी.बी. एसोसिएशन के पदाधिकारी, चिकित्सक, निक्षय मित्र और समाज सेवी उपस्थित थे।

एमपी से 11 बाघों को स्थानांतरित करने से पहले राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ भेजी जाएगी टीम

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश वन विभाग अब राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ को बाघ भेजने से पहले ग्राउंड लेवल सर्वे करेगा, ताकि ट्रांसलोकेशन की पूरी प्रक्रिया सुरक्षित और सफल हो सके। विभाग ने बताया कि 11 बाघों के स्थानांतरण से पहले टीमें तीनों राज्यों में पर्यावरणीय व सुरक्षा तैयारियों की जांच करेंगी। मध्य प्रदेश वन विभाग अब देश के तीन राज्यों राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ को बाघ देने से पहले ग्राउंड लेवल अध्ययन (मैदान सर्वे) करवाएगा। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि एमपी से कम से कम 11 बाघों को अन्य राज्यों में स्थानांतरित करने की योजना पर काम चल रहा है। विभाग के अनुसार, यह कदम किसी भी संभावित हादसे या असफल टाइगर ट्रांसलोकेशन की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाया गया है। इसके लिए विशेष दल बनाकर तीनों राज्यों में भेजे जाएंगे, जो वहां के रिलीज साइट्स की सुरक्षा, शिकार आधार, आवासीय स्थिति और पर्यावरणीय तैयारी की विस्तृत जांच करेंगे। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि टीमें तीनों राज्यों में जाकर जमीनी स्तर पर अध्ययन करेंगी। यदि किसी तरह की कमी पाई जाती है, तो विभाग आवश्यक मार्गदर्शन और सिफारिशें देगा।

वन विभाग के अनुसार, सतकोसिया वन्यजीव अभयारण्य (ओडिशा) में हुए असफल ट्रांसलोकेशन के अनुभव को ध्यान में रखते हुए अब पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ा जा रहा है। वर्ष 2018 में कान्हा से सतकोसिया भेजे गए एक बाघ की मौत और एक बाघिन सुंदरी को सुरक्षा कारणों से वापस लाना पड़ा था। विभागीय सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में मौसम की स्थिति ट्रांसलोकेशन के लिए अनुकूल नहीं है। लगातार वर्षा के कारण विभाग ने निर्णय लिया है कि बाघों का स्थानांतरण 15 नवंबर के बाद ही किया जाएगा, जब सर्दी की शुरूआत के साथ मौसम स्थिर होगा।

न्यूज गैलरी

एमपी ईएसबी एसआई भर्ती : एनएसयूआई का विरोध

एमपी एसआई भर्ती प्रक्रिया में विवादित निजी कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की माँग

नोटो से भरा बैग लेकर राजधानी में एनएसयूआई का प्रदर्शन, एमपी पुलिस भर्ती में पारदर्शि्तता की मांग, जलाया भर्ती नोटिफिकेशन

भोपाल/नवप्रदेश। एमपी एसआई भर्ती परीक्षा में चल रहे विवाद को लेकर आज राजधानी भोपाल में कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने नोटों से भरा बैग लेकर सांकेतिक प्रदर्शन किया, जिससे उन्होंने यह संदेश दिया कि ÷भ्रष्टाचार से भरी परीक्षा भर्ती परीक्षा प्रक्रिया करवाने वाली परीक्षा एजेंसी कर्मचारी चयन मंडल ब्लेकलिस्टेड निजी कंपनी से सांठ गाँठ कर पैसे लेकर नौकरियाँ बेचने की तैयारी में है ÷

एनएसयूआई ने मांग की कि जिस विवादित निजी कंपनी अपटेक लिमिटेड को भर्ती परीक्षा संचालित करने का ठेका दिया गया है, जो की विभिन्न राज्यो में ब्लैकलिस्टेड है उसे तुरंत हटाया जाए, और उसकी जगह किसी नई, पारदर्शी और विश्वसनीय एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी जाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस कंपनी पर पहले भी परीक्षाओं में गड़बड़ी, पेपर लीक और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। उसी कंपनी के साथ साँठ गाँठ कर कर्मचारी चयन मंडल एवं सरकार छात्रों का भविष्य दांव पर लगाने जा रही है ।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य सोनी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस मुद्दे पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की, तो संगठन राज्यभर में बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगा और छात्रों के अधिकारों की लड़ाई को सड़कों तक ले जाएगा। एन एस यू आई महासचिव रेहान अहमद ने कहा की लगभग 8 वर्षो के बाद एमपी एसआई की भर्ती में एमपी गवर्मेंट और ईएसबी बाकी की पूर्व में आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के तर्ज पर धाँधली करने की तैयारी कर रही है ।

इस दौरान संगठन के प्रदेश महासहचिव हेमंत रजक, जिला महासचिव हादी कुरैशी, जिला महासचिव वरुण निमोदा, आदित्य कौरव, अमन ख़ान,अजय उइके, पीयूष फ़ोटफोड़, अंश पटेल, मुकुल परासर, देवांश शर्मा, मो गाजाली, यश मोहने , प्रवज्जवल लंडे , तिलक सिंह ठाकुर , अयांश बक्श, तैयब अली, कैफ़ उस्मानी, अब्दुल सुबूर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

भोपाल की महिला से जबलपुर में रेपत्सोशल मीडिया फ्रेंड साथ ले गया था, शादी का झांसा देकर की वारदात

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के गोविंदपुरा में रहने वाली महिला के साथ उसके सोशल मीडिया फ्रेंड ने रेप कर दिया। आरोपी पीड़िता से पिछले दिनों मिलने आया था, शादी का झांसा देने के बाद वह पीड़िता को जबलपुर ले गया। वहां उसके साथ रेप किया और शादी से इनकार कर दिया। तब पीड़िता भोपाल लौटी और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस आरोपी युवक की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

दो बच्चों के साथ लापता हो गई थी महिला

थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर के मुताबिक 29 वर्षीय महिला चेतक ब्रिज के पास रहती थी। करीब चार दिन पहले वह अपने बच्चों को लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। जहां से वह भोपाल पहुंची और पुलिस को बताया कि उसकी दीपक मालवीय नामक एक युवक से इंस्टाग्राम से दोस्ती हुई थी। इसके बाद युवक को उसे अपने साथ जबलपुर ले गया।

बच्चों को साथ रखने के लेकर हुआ विवाद

जबलपुर में आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर पीड़िता के साथ रेप किया। बाद में उसने न केवल बच्चों बल्कि महिला को भी अपने साथ रखने से इंकार कर दिया। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर केस दर्ज कर लिया। अब पुलिस आरोपी युवक को पकड़ने के लिए जबलपुर जाने की तैयारी कर रही है।

दिल्ली दंगे के आरोपित उमर खालिद निर्दोष

दिग्विजय सिंह बोले- उसके साथ न्याय होना चाहिए, बीजेपी ने कहा- पाकिस्तान चले जाएं

उमर खालिद पर दिग्विजय का बयान

भाजपा ने जताई तीखी प्रतिक्रिया

पांच साल से जेल में बंद है उमर खालिद

भोपाल/नवप्रदेश। दिल्ली दंगे के आरोपित जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को लेकर दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ÷उमर खालिद बेकसूर है। उसके साथ बहुत अन्याय हो रहा है। पीएचडी स्कॉलर है और किसी भी मापदंड में राष्ट्रद्रोही नहीं है। उसे तत्काल रिहा किया जाना चाहिए।

दिग्विजय सिंह इससे पहले भी कई बार उमर खालिद के समर्थन में बयान दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों से जेल में बंद उमर खालिद के साथ न्याय होना चाहिए। ज्ञात रहे कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश रचने और भीड़ को भड़काने का आरोप है। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में भी उसकी भूमिका बताई गई थी। अक्टूबर 2020 में दिल्ली पुलिस ने पूर्वोत्तर दिल्ली के खजूरी खास क्षेत्र में हुई आगजनी और तोड़फोड़ के एक मामले में भी उसके खिलाफ स्रद्धक्र दर्ज की थी। पुलिस का दावा है कि उसके पास खालिद और अन्य आरोपियों की संलिप्तता के पर्याप्त सबूत हैं।

भाजपा ने दी तीखी प्रतिक्रिया

दिग्विजय सिंह के इस बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह को भारत की न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय का व्यवहार पाकिस्तानी जैसा है और वे आतंकवादियों को सम्मान देते हैं। रामेश्वर शर्मा ने व्यंग्य करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह को पाकिस्तान जाकर बस जाना चाहिए क्योंकि उनके मन में आतंकवादियों के प्रति श्रद्धा है। इस बयान ने एक बार फिर सियासी माहौल को गर्मा दिया है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस नेता बार-बार ऐसे बयानों से देश के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने इसे मानवीय दृष्टिकोण से दिया गया बयान बताया है।

थाइलैंड में डूबे अंकित का भोपाल में अंतिम संस्कार

ससुर बोले-साथी मोबाइल और लगेज देने तक नहीं आए, सरकार जांच कराए

भोपाल/नवप्रदेश। 23 अक्टूबर को भोपाल से कंपनी के टूर पर गए शाहजहांनाबाद के रहने वाले अंकित साहू का शव रविवार देर रात भोपाल पहुंचा। उनके शव को हमीदिया अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया था। आज सोमवार को छोला विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

भाई ने दी मुखाग्नि, पिता नमो भगवते वासुदेवाय जपते रहे

छोला विश्राम घाट पर अंकित के छोटे भाई पल्केश ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के समय चिता के पास बैठे अंकित के पिता देवेन्द्र साहू हाथ जोड़े रोते हुए ओम नमो भगवते, वासुदेवास का जाप करते रहे। उनकी आंखों से आंसू रुक नहीं रहे थे। मुखाग्नि देते वक्त अंकित का छोटा भाई पल्केश भी बेसुध हो गया। आसपास खड़े लोगों ने उसे संभाला। पिता-पुत्र एक दूसरे को सांत्वना देते हुए नजर आए।

ऐसी क्या घटना हुई जिसकी जानकारी नहीं मिल रही

सागर जिले के गड़ाकोटा कस्बे के रहने वाले विजय कुमार साहू ने भास्कर को बताया कि अंकित मेरे दामाद थे। मैं पिछले 7 दिनों से यहीं हूं मुझे इतने दिनों से समझ नहीं आ रहा है, कि आखिर वहां ऐसी क्या घटना घटी जिसकी जानकारी नहीं मिल रही है। मैं चाहता हूं कि इस पूरे मामले की जांच हो जाए। कंपनी की तरफ से हमें अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है। भविष्य की दृष्टि से भी कंपनी से कोई बात नहीं हुई।

कंपनी वाला कोई बात करने को तैयार नहीं

विजय साहू ने कहा- हमें किसी से कोई जवाब नहीं मिल रहा है, न कोई आया, ना फोन उठा रहे हैं। कोई हमसे बात करने के लिए तैयार नहीं है, दोस्तों के नाम भी नहीं बता रहे हैं। मेरे दामाद का समान, मोबाइल, डॉक्यूमेंट्स भी नहीं मिले हैं। इस मामले की सही जांच हो हम यह चाहते हैं कि इस पूरे मामले की नियमित जांच हो। हमें यह बताया जाए कि कौन जिम्मेदार हैं, हम किसके पास जाएं। कंपनी वालों की जिम्मेदारी बनती है कि हमें जवाब दें।अंकित साहू के चाचा रवि ने कहा- हमसे कोई बात नहीं कर रहा है। कंपनी वाले फोन नहीं उठा रहे हैं। अंकित के साथ जो दोस्त थाइलैंड गए थे वे भी फोन नहीं उठा रहे हैं। हमें बस इतना बता रहे हैं कि हम सब पहुंचा देंगे। कल हमें दिन में ढाई बजे कॉल आया कि हम फ्लाइट से शव पहुंचा रहे हैं। कोई हमें न बता रहा है न मिलने आ रहा है। हमें यह कह रहे हैं कि यह केस हमें क्लोज करना है। हम अब इसमें पुलिस केस करेंगे। हम जानना चाहते हैं कि आखिर क्या मामला हुआ, कैसे हुआ?

पुरानी रंजिश का बदला लेने युवक को तलवार मारी

भोपाल में सिर और हाथ पर आधा दर्जन वार किए, थाने की दो टीमें तलाश में जुटी

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के बागसेवनिया में पुरानी रंजिश के चलते चार युवकों ने देर रात एक युवक को घेर लिया। आरोपियों ने उसके सिर और हाथ पांव में तलवार और डंडों से आधा दर्जन वार किए। अधमरी हालत में आरोपी उसे मौके से ही छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचाया। जहां युवक का इलाज चल रहा है। पूर्व में फरियादी एक आरोपी के साथ मारपीट कर चुका है। इसी का बदला लेने हमला किया गया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक पिपालिया पेंदे खां निवासी रिजवान खान पुत्र असलम खान (26) गाड़ी धोने का काम करता है। उसके भाई सलमान खान ने पुलिस को बताया कि वह दुकान बंद कर अपने घर लौट रहा था। तभी रास्ते में आरोपी उस्मान, साहिब, अनस और उसके साथी ने युवक को घेरा लिया और पहले उसके साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने तलवार से उसके सिर और हाथों पर हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश खून से सनी हुई हालत में उसे छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे परिजन

घटना की खबर लगते ही परिजन पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे, घायल को इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत गंभीर होना बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए रविवार-सोमवार की दरमियानी रात में उनके ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

हजारों विद्युत संविदा कर्मियों ने भोपाल में किया प्रदर्शन

नियमितीकरण और संविलयन की उठाई मांग

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के 55 जिलों से आए हजारों विद्युत संविदा कर्मियों ने भोपाल में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नियमितीकरण और संविलयन की मांग की। यूनाइटेड फोरम ने कहा कि संविदा कर्मियों की भर्ती पूरी वैधानिक प्रक्रिया से हुई है, उन्हें न्याय मिलना चाहिए। यूनाइटेड फोरम के बैनर तले प्रदेश के 55 जिलों के हजारों विद्युत संविदा कर्मी रविवार को भोपाल पहुंचे और अपनी मांगों की ओर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ध्यानाकर्षित किया। उन्होंने मांग की कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों एवं मध्य प्रदेश राज्य सरकार के आदेशों के अंतर्गत उनका भी नियमितीकरण और संविलयन किया जाए। यूनाइटेड फोरम के प्रमुख इंजीनियर वीकेएस परिहार ने बताया कि यूनाइटेड फोरम द्वारा तीन माह पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और मध्य प्रदेश सरकार के आदेशों के पालन की गुहार लगाई गई। इससे पहले भी कई बार सरकार से मांग की गई, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसी मांग के सिलसिले में रविवार को प्रदेश भर के 55 जिलों से आए हजारों विद्युत संविदा कर्मी भोपाल में एकत्रित हुए। ये विद्युत संविदा कर्मी पूर्ण वैधानिक भर्ती प्रक्रिया का पालन करते हुए, भर्ती विज्ञप्ति,

पद अनुरूप शैक्षणिक योग्यता, ऑर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर के माध्यम से रिक्त जारी पद, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से चयनित हुए हैं।

बैक डोर से भर्ती नहीं हुए

संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि विद्युत संविदा कर्मी कोई बैक डोर से भर्ती हुए विद्युत कर्मी नहीं हैं, बल्कि फ्रंट डोर के माध्यम से वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए भर्ती हुए हैं। नवीन जारी ऑर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर में 5000 संविदा कर्मियों के पदों को हटाकर 49,263 पद जारी किए गए हैं। बिजली कंपनियां पहले से ही संविदा को नियमित ही मान रही हैं, केवल आदेश जारी करने हैं। प्रदर्शन में सभी जिलों से संविदा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए। इनमें मुख्य रूप से अरुण ठाकुर, आदित्य चौबे, अजय नामदेव, विकास शुक्ला, दुर्गेश दुबे, लोकेंद्र श्रीवास्तव, प्रशांत पाल चंद्रमणि गजभिए, कुलदीप खांडेकर, रोहित लाल, एसके पचौरी, सूरज सिंह, जाहिद खान, प्रदीप द्विवेदी, धर्मेंद्र मालवीय, अनंत मिश्रा, पंकज शर्मा, अखिलेश यादव, दुर्गा पांडे, अशोक प्रजापति, अजय शर्मा, पवन शर्मा, राजेंद्र दुबे, वीरेंद्र रघुवंशी, राजकुमार मेहरा, तरुणा इवनाती, आशीष श्रीवास्तव आदि सदस्य उपस्थित रहे।

सुविचार

कभी हार न मानने की आदत ही,आपकी एक दिन जीत का कारण बनती हैं। - अघात

भारत की बेटियों को सलाम

डी वाई पाटिल स्टेडियम मुंबई में उपस्थित लाखों दर्शकों के साथ उन करोड़ों भारतीयों का जो टीवी के सामने टकटकी लगाए रतजगा कर रहे थे उस समय खुशी से झूम उठे और पूरा देश भारत की बेटियों तुम्हे सलाम के जयघोष से गूंज उठा जब हरमन प्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका की खतरनाक दिख रही बल्लेबाज डी. क्लार्क का कैच लपक कर वूमेंस वर्ल्ड कप का फायनल मैच जीत लिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप ही 140 करोड़ भारतीयों का दिल भी जीत लिया जो 2023 के मेंस वर्ल्ड कप के फायनल में आस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से अब तक मायूस थे। उसी आस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पराजित कर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आस्ट्रेलिया से हिसाब भी बराबर कर दिया। भारतीय शेरनियों ने इस पूरे टूर्नामेंट में जो बेहतरीन खेल दिखाया है उसे देखते हुए वह विश्व कप की हकदार थी। हरमन प्रीत कौर की कप्तानी में पूरी टीम एकजुट होकर खेली और सेमीफाइनल व फायनल में तो उसने वाकई कमाल कर दिखाया। फायनल मैच में पास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की और ओपनिंग जोड़ी ने शतकीय साझेदारी कर मजबूत नींव रखी। जिस पर 298 रनों की मजबूत इमारत खड़ी हो पाई। वैसे इस पाटा पिच पर दक्षिण अफ्रीका इस लक्ष्य को भेदने में सक्षम थी और उसने ऐसी कोशिश भी की लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट टीम की गेंदबाजी इतनी धारदार और किफायती रही कि दक्षिण अफ्रीका पूरे 50 ओवर नहीं खेल पाई छियालीसवें ओवर में 246 रनों पर ढेर हो गई। भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने कहर बरपाते हुए पांच विकेट झटके और दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़कर रख दी। दीप्ति शर्मा ने 58 रनों की धुंआधार पारी भी खेली थी। उनके इस हरफनमौला प्रदर्शन के लिए ही उन्हें प्लेयर आफसीरीज के खिताब से नवाजा गया है। उन्होंने बैट और बाल दोनों से ही पूरे टूर्नामेंट में कमाल दिखाया। उन्होंने सर्वाधिक 22 विकेट लिए और 200 से ज्यादा रन भी बनाएं। फायनल मैच में रिप्लेसमेंट पर आई टीम में आई शेफाली वर्मा ने भी अपने आलराउंडर प्रदर्शन से मैच का पासा पलटा। जिन्होने ओपनर के रूप में आक्रामक शुरुआत करते हुए 78 गेंदों पर 87 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। जिसमें 7 चौंके और 2 छक्के शामिल थे। बाद में उन्होंने गेंदबाजी में भी अपना हुनर दिखाया और दो महत्वपूर्ण विकेट चमकाया। इसके लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार मिला। स्मृति मंधाना ने भी 45 रनों की उपयोगी पारी खेली और इसी के साथ वे एक वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा 434 रन बनाने वाली पहली बल्लेबाज बन गई। भारतीय विकेट कीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने भी अंतिम ओवरों में 24 गेंदों पर 34 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फायनल मैच में टीम इंडिया ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्र रक्षण तीनों में ही शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि वे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं। इस स्वर्णिम और ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। जियो शेरनियों। इसी तरह आगे भी भारत का नाम रौशन करती रहो।

सदगुरू बोधामृतम

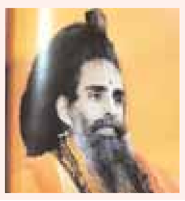

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ जरा सोचो !! तुम इंसान कैसे दो कौड़िया कीमत के इंसान हो ? तुम जरा सोचो अपने से! कहीं कोई तारतम्य नहीं है तुम्हारे जीवन में और जिसने यह सोच लिया इसी को आत्मज्ञान कहते हैं. इसी को प्रज्ञा कहते हैं।

❖ अपने जीवन में मूल्य को सिर्फ पहचाना ही नहीं अपितु जीना भी

❖ मानते हैं कि अच्छा है लेकिन कर नहीं सकते ऐसे लोगों की भीड़ है दुनिया में और मानते हैं कि अच्छा है और करने को राजी हैं ऐसे बड़े विरले हैं दुनिया में।

❖ अगर आपकी बातें सिर्फबातें नहीं हैं और आपने कर्म के रूप में भी इसको स्वीकार कर लिया है तो आप आदर के योग्य है।

❖ हैं। बातों में कदम उठाना और कर्म में कदम उठाना दो अलग बात

पुरुष की सहज स्थिति है, ईश्वर अंश जीव अविनाशी चेतन अमल सहज सुख राशि। इसके अलावा जिस किसी स्थिति में तुम गिरे हो वह दुख की ही होगी।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 04 नवंबर की प्रमुख घटनाएं निम्न हैंः- 1509 - अल्मीडा के बाद अल्फांसो द अल्बुकर्क भारत में दूसरे पुर्तग़ाली वायसराय बने। 1618 - मुग़ल शासक औरंगज़ेब का जन्म। 1619 - फ्रेडरिक पंचम यूरोपीय देश बोहेमिया के राजा बने। 1822 - दिल्ली में जल आपूर्ति योजना का औपचारिक रूप से शुभारंभ। 1856 - जेम्स बुकानन अमेरिका के 15वें राष्ट्रपति बने। 1875 - अमेरिका के बोस्टन में मैसाचुसेट्स राइफल एसोसिएशन की स्थापना हुई। 1889 - स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और उद्योगपति जमनालाल बजाज का जन्म। 1911 - अफ्रीकी देश मोरक्को और कांगो को लेकर फ्रांस तथा जर्मनी के बीच समझौते पर हस्ताक्षर। 1984 - ओ बी अग्रवाल एमेच्योर स्नूकर के विश्व चैंपियन बने। 1997 - सियाचीन बेस कैम्प में सेना की आफ़सिग्नल ने विश्व का सर्वाधिक ऊँचा एस.टी.डी. बूथ स्थापित किया। 2000 - संयुक्त राष्ट्र संघ में परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने व विखंडनीय पदार्थों के उत्पादन पर रोक संबंधी जापान का प्रस्ताव भारत के विरोध के बावजूद पारित। 2002 - चीन ने आसियान देशों के साथ मुक्त व्यापार क्षेत्र संधि पर हस्ताक्षर किये। 2003 - श्रीलंका की राष्ट्रपति चंद्रिका कुमारतुंगा ने रक्षा, गृह और सूचना मंत्रियों को बर्खास्त कर संसद को निलंबित किया।

हे लौह पुरुष ! राष्ट्र आपका कृतज्ञ है

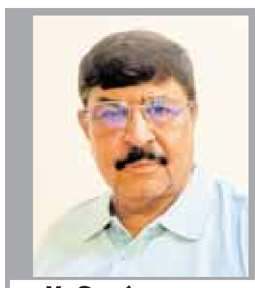

डॉ. किशोर अग्रवाल

विभाजित होती दुनिया में पटेल का उदाहरण हमें अनुशासन एकजुटता और सामूहिक नियति में विश्वास का संदेश देता है । लौह पुरुष पटेल की कल्पित एकता कोई स्थिर आदर्श नहीं बल्कि एक जीवंत शक्ति है उनके यह शब्द आज भी गूंजते हैं कि कार्य ही पूजा है, श्रम ही ईश्वर है और जो व्यक्ति सही भावना से कार्य करता है वह सदैव शांत और प्रसन्न रहता है । ये वचन हर पीढ़ी को राष्ट्र की प्रगति और एकता में योगदान देने का आव्हान करते हैं । सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत इतिहास से परे है । वह भारत की आत्मा में जीवित है । हर वर्ष एकता दिवस यह सुनिश्चित करता है कि यह भावना कभी मंद ना पड़े । भारत सदैव एक रहे और पटेल का स्वप्निल सामंजस्य सदैव हमारा मार्गदर्शक बना रहे । इन शब्दों से न केवल भारत बल्कि विश्व को भी प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि विश्व में जो विभाजन के लकीरें खींची हैं उनसे उबरकर विश्व भी एक शांतिपूर्ण कुटुंब बन सके ।

सैकड़ों रियासतों में बंटे और आपस में लड़ते झगड़ते अनेक राजाओं को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति मिल भी जाती तो क्या अखण्ड भारत का यह स्वरूप होता जिसे हम भारतीय गणराज्य के रूप में जानते हैं।

अनेक क्रांतिकारियों के बलिदान ,गांधीजी के लगातार आंदोलन व तत्कालीन प्रणेताओं की कूटनीतियों से अंग्रेज पस्त होकर देश आजाद तो कर गये पर इन बिखरे राज्यों व अपनी अपनी सत्ता की सार्वभौमिकता को ही सर्वोपरि मानने वाले अलग अलग राज्यों से एक अखंड भारत के निर्माण की परिकल्पना एक वृहत् स्वप्नदृष्टा ही कर सकता था । देश का सौभाग्य हैं कि तब हमारे देश मे लौहपुरुष सरदार पटेल जैसा स्वप्न दृष्टा मौजूद था। जिसके पास एक पैनी दृष्टि, विवेकपूर्ण सोच और अपने निर्णयों को लागू करा लेने की दृढ संकल्प शक्ति थी।

दृढ़ निश्चय से वे धीरे धीरे 560 से अधिक रियासतों का अखंड भारत में विलय करते गये । जूनागढ , जम्मू कश्मीर और हैदराबाद के विलय लिये उन्होने अपनी सारी योग्यता लगायी तब जाकर ये बड़ी रियासतें भारत का अंग बन पायी और भारत वर्तमान स्वरूप में आ पाया । यह एक ऐसा कार्य था जिसके लिए अद्वितीय कूटनीति ,साहस और दृढ़ निश्चय की आवश्यकता थी । उनकी स्थिर दृष्टि और दृढ़ संकल्प ने उन्हें लौह पुरुष का खिताब दिलाया । हर साल 31 अक्टूबर को भारत राष्ट्रीय एकता दिवस मनाता है ताकि उनकी जयंती का सम्मान किया जा सके। एक ऐसा नेता जिनकी दूर दृष्टि और दृढ़ निश्चय ने एक एकीकृत भारत की नींव रखी । सरदार पटेल ने एक बार कहा था कि एकता के बिना मनुष्य बल कोई शक्ति नहीं है जब तक वह उचित रूप से समन्वित और संगठित ना हो जाए ,तब वह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाता है। उनके लिए राष्ट्र की सच्ची शक्ति केवल सीमाओं में नहीं बल्कि उसके लोगों की एकता में निहित थी । 2014 में भारत सरकार ने सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की । इसका उद्देश्य देशवासियों में एकता की भावना को पुनर्जीवित करना और पटेल की ÷एक भारत श्रेष्ठ भारत÷ की दृष्टि को सम्मानित करना था । इस दिन शैक्षणिक

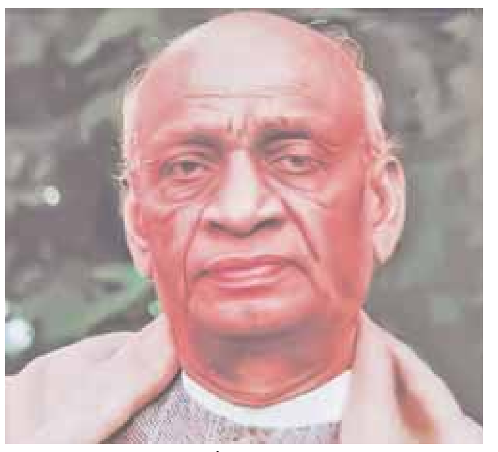

संस्थानों से लेकर सेना और विभिन्न समुदायों में देशभर में ÷रन फॉर यूनिटी÷ सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और शपथ समारोह आयोजित किए जाते हैं।

वैसे तो स्वतंत्रता प्राप्त होने के पश्चात ही सरदार पटेल का यथेष्ठ सम्मान देश को करना था और उनका महत्व स्थापित करना था। 2014 में सरकार ने इस लौह पुरुष को सम्मानित किए जाने की मुकम्मल व्यवस्था की । उस दिन मुख्य समारोह गुजरात के एकता नगर स्थित ÷स्टैचू ऑफ यूनिटी÷ पर आयोजित किया जाता है जो भारत की शक्ति साहस और सामूहिक संकल्प का प्रतीक है । यह स्टैचू विश्व में सबसे ऊंचा 182 मीटर ऊंचाई का बनाया गया है जिसे देखकर भारत की छाती गर्व से फूल उठती है ।

सरदार पटेल का कहना था ÷धर्म के मार्ग पर चलो सत्य और न्याय के मार्ग पर क्योंकि वही सभी के लिए सही मार्ग है।÷ उनके ये शब्द हमें याद दिलाते हैं कि भारत के सामाजिक ताने-बाने में न्याय, परस्पर सम्मान और शांति बनाए रखना हम सब की साझा जिम्मेदारी है ।एकता दिवस उस भारत के विचार को पुनर्स्थापित करता है जो अपनी विविधता के कारण फलता फूलता है ना कि उसके बिना। यह दिन हर नागरिक को राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण की याद दिलाता है । भारत की सांस्कृतिक विविधता को समझने और भाषा क्षेत्र और धर्म के बीच बंधन मजबूत करने का आवाहन करता है ।

यद्यपि एकता दिवस में वाद-विवाद , निबंध प्रतियोगिता, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं किंतु मात्र इन औपचारिकताओं से मूल उद्देश्य की प्राप्ति नहीं होती । आज जब भारत क्षेत्रीय असमानताओं ,सामाजिक विभाजनों और वैचारिक मतभेदों जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब एकता दिवस का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है यह केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं है ,राष्ट्रीय एकता और सामूहिक प्रगति की भावना को पुनर्जीवित करने का अवसर है। यह संदेश देता है कि भारत चाहे जितना विशाल और विविध हो उसका दिल और आत्मा एक है इसे आत्मसात् करने की आवश्यकता है । पटेल के शब्द आज भी प्रेरणादायक है वह कहा करते थे ÷मेरी केवल एक इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक बने और देश में कोई भूखा ना रहे किसी की आंखों में आंसू ना हो।÷ उनका दयालू राष्ट्रवाद सेवा और एकता पर आधारित नेतृत्व का सर्वोत्तम उदाहरण है। विखंडित हो रहे विश्व समुदाय के लिए यह दिन और श्री पटेल के विचार एक अखंड विश्व की कल्पना को साकार करते हैं। विभाजित होती दुनिया में पटेल का उदाहरण हमें अनुशासन एकजुटता और सामूहिक नियति में विश्वास का संदेश देता है । लौह पुरुष पटेल की कल्पित एकता कोई स्थिर आदर्श नहीं बल्कि एक जीवंत शक्ति है उनके यह शब्द आज भी गूंजते हैं कि कार्य ही पूजा है, श्रम ही ईश्वर है और जो व्यक्ति सही भावना से कार्य करता है वह सदैव शांत और प्रसन्न रहता है । ये वचन हर पीढ़ी को राष्ट्र की प्रगति और एकता में योगदान देने का आव्हान करते हैं । सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत इतिहास से परे है । वह भारत की आत्मा में जीवित है । हर वर्ष एकता दिवस यह सुनिश्चित करता है कि यह भावना कभी मंद ना पड़े । भारत सदैव एक रहे और पटेल का स्वप्निल सामंजस्य सदैव हमारा मार्गदर्शक बना रहे । इन शब्दों से न केवल भारत बल्कि विश्व को भी प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि विश्व में जो विभाजन के लकीरें खींची हैं उनसे उबरकर विश्व भी एक शांतिपूर्ण कुटुंब बन सके ।

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लॉजिस्टिक्स तंत्र

विजय कुमार

भविष्य के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्सर्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा।

भारत 4,000 वर्षों से नदियों के माध्यम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013-14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024-25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल-ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल-ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन-किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन-किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन-कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन-किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन-किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित कर रहा है।

भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के साथ साझेदारी में

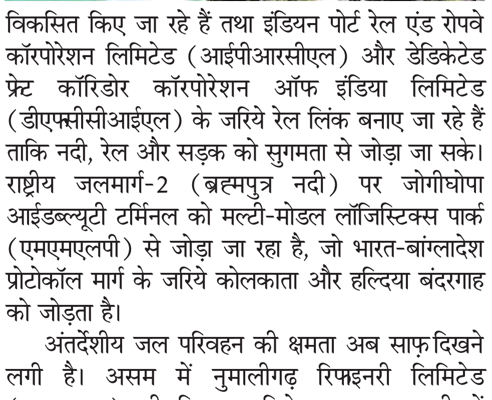

विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्ल्यूटी टर्मिनल को मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से जोड़ा जा रहा है, जो भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है।

अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ़ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तार परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्ल्यूसी) जैसे भारी उपकरण आईडब्ल्यूएआई की देखरेख में भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे। इसमें 24 कंसाइनमेंट शामिल थे जो एनआरएल जेट्टी तक आसानी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाए गए। इससे भीड़भाड़ वाले राजमार्गों और बड़े कार्गो के लिए सड़क परिवहन की मुश्किलों से भी बचा गया। इस ऑपरेशन से पता चला कि नदी लॉजिस्टिक्स न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि यह भारत के सबसे मुश्किल औद्योगिक शिपमेंट को संभालने में भी पूरी तरह से सक्षम है। सही मायने में यह लागत-प्रभावी, सुरक्षा और सतत परिवहन का बेजोड़ मेल है।

उद्योग के लिए यह अतीत की यादों में खोने या राष्ट्रीय गर्व की ही बात नहीं है बल्कि यह मार्जिन और मार्केट के बारे में है। जलमार्ग से सामान भेजना सस्ता, ज्यादा स्वच्छ और तेज होता जा रहा है क्योंकि मल्टीमोडल हब ऑनलाइन आ रहे हैं। आज की दुनिया में वैश्विक निवेशक सप्लाई चेन को केवल दक्षता के लिहाज से ही नहीं बल्कि उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी देखते हैं, ऐसे में नदी परिवहन को अपनाना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। कार्बन उत्सर्जन घटाने पर भी जोर है, जिससे अंतर्देशीय जलमार्ग आधुनिक लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर और ज्यादा टिकाऊ विकल्प बन गए हैं। जलमार्गों के जरिये माल भेजने से कम लागत, बेहतर पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) क्रेडेंशियल्स का दोहरा फायदा मिलता है।

सामाजिक लाभ असली है। कम ट्रक मतलब कम दुर्घटनाएं, सड़कों के रखरखाव पर कम दबाव, स्वच्छ हवा और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था। नदी किनारे रहने वाले कई समुदाय जो कभी फेरी ट्रांसपोर्ट या छोटे पैमाने के व्यापार पर निर्भर थे, वे अब लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग और अंतर्देशीय पोत्तन सेवाओं में नया रोजगार पा सकते हैं। यह व्यापार और रोजगार को बढ़ाने का एक सुदृढ़ साधन है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

तुम यूँ छिप-

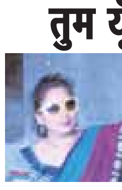

तुम यूँ छिप- छिप कर, सबसे छुपा कर, देख लेते हो मुझे कितनी ही बार हर रोज़, जानती हूँ डरपोक हो तुम,, मगर तुम्हारे इसी प्रेम ने मुझे बना दिया है निडर,, और मैं खुले आम एकटक देखती हूँ तुम्हें और तुम्हें यूँ देखते कुछ लोग देख लेते हैं मुझेहर दफ़ा सिर्फ़ तुम्हें ही देखते यूँ एकटक, और एक तुम हो कि एक बार भी नहीं देखते मुझे यूँ खुलेआम एक नज़र भी कभी,,, क्यों निडर नहीं बनाया तुम्हें अब तक ही मेरे प्रेम ने भी,, बोलो सच में करते हो न मुझसे प्रेम। - **शुचि भवि**

मोर छत्तीसगढ़

मोर छत्तीसगढ़ महतारी के रूप अब्बड़ मन भावन हे माथ मा बिंदी,होंठ मा लाली मधुर-मधुर मुस्कावत हे कान मा खिनवा,नाक मा नथली पहिरे हरियर लुगरा सुघ्घर गर मा सुर्रा,रुपिया,पुतरी हात मा ककनी,हरइया सुघ्घर धान के बाली अचरा कस लहराये तोर कोरा मा कनिहां मा करधन बांधे गोड़ मा पैरी बिछिया सुघ्घर पाँव पखारय अरपा पैरी करय तोर चरन के बंदना शत -शत हे तोला नमन जय छत्तीसगढ़ मइया हमर।

- **माया देवांगन**

सवेरा कभी मयस्सर ही नहीं अंधेरे मुंह

सवेरा कभी मयस्सर ही नहीं अंधेरे मुंह जगवाया गया हूँ रुसवा हुआ एकबार यहां से बार-बार बतलाया गया हूँ मेरे हालात की हर खबर उसे बातों से बहलाया गया हूँ उम्र मेरी अब ढलने क्या लगी बेकार ही समझाया गया हूँ बेरंग हिस्से में रंग भर लेता गमज़दा उठवाया गया हूँ ये इश्क बहुत बूरी बीमारी है सबके दिलों में पाया गया हूँ। - **सपना चन्द्रा**

होती है जरा सी बारिश बन जाते हैं छोट

होती है जरा सी बारिश बन जाते हैं छोटे तालाब वो बोलते हैं सिटी स्मार्ट मगर दिखते है बहुत खराब प्रयागराज के मुख्य सड़कों से लेकर गली मोहल्ले तक की गंदगी बड़ी दुखदाई है जबकि सरकार को शहर से ढेरो कमाई है। - **संत आर थवाइत**

तेरे दिल में ठिकाना है मुझे ये आज़माना है

तेरे दिल में ठिकाना है मुझे ये आज़माना है मिलो तुम चाँद से छुपकर बना दुश्मन ज़माना है मेरी आँखों में है दरिया जहाँ से ये छुपाना

है खुदा रहमत की बारिश करहमें भी मुस्कुराना है मुहब्बत का ज़माने ने जलाया आशियाना है तेरी क़ातिल निगाहों की मेरे दिल पे निशाना है बनाती आज भी दुनिया मुहब्बत का फ़साना है उड़ाओ फिर दुपट्टा तुम तेरा 'ऐनुल' दिवाना है। - **'ऐनुल' बरौलवी**

दिन में दिखाते अलग, रात

दिन में दिखाते अलग, रात वो दिखते अलग है, जिव्हा से निकली अलग, दिल में आग अलग है। नियमों से नहीं डिगते थे जो, कहने लगे हैं अब- लड़कों की बात अलग,लड़कियों की अलग है।। **-गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश**

लगती है जब शाम को,बच्चों की

लगती है जब शाम को,बच्चों की चौपाल। दादा जी किस्से सुना ,कर दें मालामाल।। कर दें मालामाल ,ठहाका सभी लगाएँ। खेल-खेल में बात,ज्ञान की रोज़ सिखाएँ। सबके अंदर प्यास,नया पाने की जगती। अच्छी उनकी बात,हमेशा हमको लगती।। - **डॉ बिपिन पाण्डेय**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज का दिन भी विपरीत फलदायी बना रहेगा। दिन के आरम्भ में ही घर का मंगलमय वातावरण आपकी लापरवाहि अथवा उद्दंड व्यवहार के कारण अशान्त बनेगा।

वृषः आज का दिन लाभदायक होते हुए भी इसका उचित लाभ नही उठा सकेंगे। पूर्व में बनाई योजना के कारण कार्य व्यवसाय की और ज्यादा ध्यान नही दे सकेंगे।

मिथुनः आज आपको कुछ अतिरिक्त कार्य सौपे जाएंगे लापरवाह एवं आलसी स्वभाव के चलते आरम्भ में ये झंझट लगेंगे लेकिन कुछ समय बीतने पर इनमे ही मग्न हो जाएंगे।

कर्कः आज का दिन आपको धर्म कर्म पूजा पाठ में सम्मिलित होने के सुअवसर प्रदान करेगा। आध्यत्मिक भावना भी बढ़ी रहने से पुण्य और परोपकार के कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

सिंहः आज परिस्थिति प्रतिकूल रहेगी जल्दी से की कार्य को करने का मन नही करेगा इस कार्य को करेंगे उसमे कोई स्वयंजन ही टांग अड़ायेगा।

कन्याः आज के दिन आप पूर्व नियोजित योजनाओं को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित रूप से कार्य करेंगे परन्तु फिर भी कोई काम अचनाक आने से असुविधा होगी।

तुलाः आज के दिन आपका लक्ष्य घर मे सुख के साधनों की वृद्वि करना रहेगा इसमे काफी हद तक सफल भी रहेंगे व्यवसायी वर्ग खर्च करने से पीछे नही हटेंगे आर्थिक स्थिति ठीक रहने और परिजनों के सुख को देखते हुए अखरेगा भी नही।

वृश्चिकः आज के दिन आप पिछले कुछ दिनों से बेहतर अनुभव करेंगे लेकिन आज धन को लेकर कुछ ना कुछ समस्या बनी रहेगी।

धनुः आज आपका व्यवहार अनाड़ियों जैसा रहेगा बिना सोचे समझे कुछ भी बोल देंगे जिससे लोगो मे आपकी छवि खराब हो सकती है।

मकरः आज का दिन आपके लिये थोड़ा उठापटक वाला रहेगा। आज आप बाहर के लोगो को आचरण में रहने का उपदेश देंगे लेकिन घर मे स्वयं के ऊपर लागू नही करेंगे।

कुंभः आपके लिये आज की दिनचार्य थोड़ी सुस्त रहेगी लेकिन फिर भी शान्तिप्रद रहेगा। आरंभिक भाग में प्रत्येक कार्य मे आलस्य करेंगे घरेलू कार्यो की टालमटोल से परिजनों को परेशानी होगी बहस भी हो सकती है।

मीनः आज के दिन आप काम की बातों को छोड़ अनर्गल विषयो में भटकेंगे। दिन के पूर्वार्ध से मध्यान तक आलस्य अधिक रहेगा घरेलू कार्य के साथ पूर्वनियोजित कार्य एक साथ सर पर आने से असुविधा होगी। जबरदस्ती करने पर ही कार्य करने के लिए तैयार होंगे लेकिन एकबार आरम्भ करने के बाद पूर्ण करके ही छोड़ेंगे।

QUIZ TIME

1) विश्व में पर्यावरण जागरूकता की शुरुआत किसने की थी?

2) भारतीय रेलवे ने सर्वप्रथम कब और किस ट्रेन में तत्काल आरक्षण सेवा प्रारम्भ किया था?

3) राष्ट्रीय भूविज्ञान डेटा रिपोजिटरी पोर्टल की किसने लांच किया?

4) फारसी वर्णमाला में कितने अक्षर होते है?

5) हाल ही में खोज गए पेंटोइया टैगोरी बैक्टीरिया का नाम किस महापुरुष के नाम पर रखा गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) विलियम हैडर्ट (2) 20 दिसम्बर 1997 और दिल्ली-अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस (3) प्रहलाद जोशी (4) 31 (5) रवीन्द्रनाथ टैगोर

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -217

कान्हा बने बच्चे को सीएम मोहन यादव ने दुलारा, सबके मन को मोहती ये तस्वीर

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कान्हा के रूप में सजे एक बच्चे को प्यार से दुलारा। यह मनमोहक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें मुख्यमंत्री का स्नेहिल स्वभाव झलक रहा है। इस तस्वीर ने सबका दिल जीत लिया है।

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिनों बिहार विधानसभा चुनाव में व्यस्त हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक सीएम डॉ. मोहन जनता पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं, इसलिए पार्टी उन्हें लगातार मैदान में उतारे हुए है। इस व्यस्तता के बीच उनकी एक तस्वीर वायरल हो गई है। यह तस्वीर 1 नवंबर की मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की है। इसमें में वे श्रीकृष्ण का रूप धरे एक बच्चे को गोद में लिए हुए हैं। तस्वीर में साफ दिख रहा है कि बच्चे ने प्रदेश के मुखिया को मोह लिया है। दोनों के बीच आंखों-आंखों में भावनात्मक संवाद चल रहा है। इस तस्वीर को देखने के बाद यह बात स्पष्ट हो जाती है कि मुख्यमंत्री मोहन के मन में %मोहन% रचे बसे हैं। उनके कामों में श्रीकृष्ण के संकेतों की झलक स्पष्ट दिखाई देती है। कोई भी मंच हो, चुनावी रैली हो, आम सभा हो या जनता से संवाद हो, सीएम डॉ. मोहन कान्हा को याद करना नहीं भूलते। वे अपने भाषणों के बीच भी जनता से श्रीकृष्ण के जयकारे लगवाते हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सार्वजनिक छवि में श्रीकृष्ण की भक्ति का धागा स्पष्ट दिखता है। उन्होंने जब से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तब से करीब-करीब रोज श्रीकृष्ण से जुड़े कामों का जिक्र किया है। उन्होंने %श्रीकृष्ण पाथेय% के लिए न्यास गठन को मंजूरी दी। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के मध्यप्रदेश प्रवास से जुड़े मार्ग के बारे में बताया। बता दें, बालक कृष्ण ने मथुरा से उज्जैन की ओर प्रस्थान किया था और महर्षि सांदीपनि आश्रम में 64 कलाओं की शिक्षा ग्रहण की थी। यह यात्रा मात्र 64 दिनों की थी, लेकिन इसने प्रदेश को कृष्ण-भक्ति का केंद्र बना दिया। इसके लिए सरकार ने नवंबर 2024 में मंत्रिमंडल की बैठक में श्री कृष्ण पाथेय न्यास के गठन का फैसला किया। यह न्यास मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1951 के तहत काम करेगा। इन स्थलों का संरक्षण, विकास व प्रचार करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कई बार कह चुके हैं कि जहां-जहां श्रीकृष्ण के चरण पड़े, वे सभी स्थल तीर्थ बनेंगे।

गौसेवा का संकल्प

इसी तरह सीएम डॉ. यादव ने गौशालाओं को प्रति गाय रोज मिलने वाले अनुदान को दोगुना कर दिया। अब गौशालाओं 20 से 40 रुपये प्रतिदिन मिलता है। इससे गौशालाओं का रखरखाव आसान हो गया है। इसी साल जून में उन्होंने राज्य स्तरीय गौशाला सम्मेलन में सिंगल क्लिक से गौशालाओं को राशि ट्रांसफर की थी। इतना ही नहीं, उन्होंने गौसेवा को प्राथमिकता देते हुए कहा कि पशुपालन विभाग को गौपालन विभाग के नाम से भी जाना जाएगा। उनका मानना है कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

गीता का पाठ-गीता भवन और वर्ल्ड रिकॉर्ड

सीएम डॉ. मोहन यादव ने श्रीमद् भगवद्गीता की शिक्षा को जीवंत बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया। उनकी पहल पर 11 दिसंबर 2024 को गीता जयंती पर भोपाल में सामूहिक गीता पाठ हुआ। इसमें 7 हजार से ज्यादा आचार्यों और बटुकों ने एक साथ %कर्म योग% अध्याय का सस्वर पाठ किया। यह आयोजन इतना बड़ा था कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। डॉ. यादव ने आचार्यों को सम्मानित कर गीता के संदेश को राजनीति से जोड़ा। प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन ने भगवद्गीता की शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए फैसला किया कि राज्य के 413 नगरीय निकायों में गीता भवन निर्माण किया जाए। इसकी अनुमानित लागत 2,875 करोड़ रुपये है। यह योजना न केवल धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन को बढ़ावा देगी, बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता, शिक्षा और पर्यटन को नई दिशा देगी।

हर गांव होगा वृंदावन

मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने राज्य के ग्रामीण इलाकों को नई उंचाई देने के लिए अनोखी योजना बनाई। इसे मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना कहा गया। यह योजना भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से प्रेरित वृंदावन के मॉडल पर आधारित है। इस योजना में हर गांव को आत्मनिर्भर, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाया जाएगा। इस योजना को कैबिनेट की मंजूरी भी मिल गई है। यह योजना गौसंवर्धन, जैविक खेती और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है।

सांदीपनि स्कूल बने शिक्षा का आधार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में राज्य के सीएम राइज स्कूलों का नाम सांदीपनि स्कूल रखा। इस तरह उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को शिक्षा का आधार बनाया। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम से जुड़ी यह पहल न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को भारतीय ज्ञान प्रणाली से परिचित कराएगी। बता दें, %सांदीपनि स्कूल% वो नाम है जो प्राचीन भारतीय गुरुकुल परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ता है। यह नाम महर्षि सांदीपनि आश्रम से प्रेरित है। इसी आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने शिक्षा ग्रहण की थी।

राज्य स्तर पर मनाई गई जन्माष्टमी और गोवर्धन पूजा

बता दें, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के त्योहारों को भी नया रंग दिया। उन्होंने कृष्ण जन्माष्टमी और गोवर्धन पूजा को राजकीय स्तर पर मनाने का फैसला किया। कैबिनेट के फैसले के बाद दीवाली के बाद पूरे राज्य में गोवर्धन पूजा हुई। गोवर्धन पूजा को सरकारी अवकाश का दर्जा दिया गया, ताकि अधिकारी, मंत्री और जनप्रतिनिधि पूर्ण रूप से भाग लें। भोपाल के रवींद्र भवन में भव्य आयोजन हुआ इसके साथ थी, सीएम डॉ. मोहन ने मुख्यमंत्री निवास की गौशाला में भी विधि-विधान से गोपूजन किया। डॉ. यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति का प्रतीक है। इससे गौ-प्रेम और अधिक बढ़ेगा। वे जहां भी जाते हैं वहां यह कहते हैं कि जहां गाय वह गोकुल, जो गाय की सेवा करे वो गोपाल। इस तरह वे संकेत देते हैं कि श्रीकृष्ण से उनका गहरा लगाव है। इसी तरह हर भाषण में वे मथुरा का जिक्र करना नहीं भूलते। उनका कहना है कि एक तरफ जहां अयोध्या में श्री राम मुस्कुरा रहे हैं, अब मथुरा में भी भगवान श्रीकृष्ण मुस्कुराएंगे।

न्यूज गैलरी

संस्कारों की पाठशाला है श्रीरामकथा – धर्मपथिक शैलेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज

भोपाल/नवप्रदेश। धर्मपथिक पूज्य शैलेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज की पावन वाणी से सोमवार को श्रीरामकथा का प्रथम दिवस कोलार क्षेत्र स्थित शिर्डीपुरम के सिग्नेचर क्राउन परिसर में भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

कथा श्रवण का सौभाग्य बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी एवं महाराज जी के निज सचिव राजेश राय ने बताया कि कथा आरंभ से पूर्व राधा कृष्ण मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो कोलार के प्रमुख मार्गों से होती हुई कथा स्थल पर पहुँची। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों ने सहभागिता की। कथा के प्रथम दिवस पूज्य शैलेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने श्रीरामकथा के महात्व का वर्णन करते हुए कहा कि ÷रामायण केवल इतिहास या कथा नहीं है, यह परात्पर ब्रह्म का साक्षात् स्वरूप है। जीवन की कोई ऐसी कठिनाई नहीं है जिसका समाधान श्रीरामचरितमानस में न हो।÷ उन्होंने बताया कि रामायण के प्रथम रचयिता स्वयं भगवान शिव हैं, जिन्होंने 100 करोड़ मंत्रों वाली मूल रामायण की रचना कर देवता, दानव और मनुष्यों में उसका वितरण किया। महादेव ने अपने पास केवल दो अक्षर ÷राम÷ रखे, जो समस्त मंत्रों का सार हैं। शिवजी से यह रामायण देवताओं के पास पहुँची और फिर आदि कवि वाल्मीकि जी तक आई। कलियुग में वही वाल्मीकि जी गोस्वामी तुलसीदास जी के रूप में अवतरित हुए और उन्होंने रामचरितमानस की रचना की। पूज्य गुरुदेव ने बताया कि ÷जिसके जीवन में 'राम' हैं, उसी के जीवन में 'आराम' है। जिसके जीवन में राम नहीं, उसे कभी विश्राम नहीं।÷ उन्होंने यह भी बताया कि रामचरितमानस तीन स्थानों – अयोध्या, बनारस और चित्रकूट – में लिखी गई तथा इसके सात कांड भगवान श्रीराम के सात अंगों का प्रतीक हैं। गुरुदेव ने भक्तों को भगवान के दर्शन की विधि, आरती के शास्त्रीय नियम और परिक्रमा की मर्यादा विस्तार से समझाई। कथा के दौरान उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवन संघर्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे भगवान श्रीराम ने हर कठिन परिस्थिति में उनका साथ दिया। अंत में श्रोताओं के जीवन से तनाव और चिंता दूर करने का सरल उपाय बताते हुए कहा कि ÷रात्रि में जब भी सोने जाओ, उत्तर दिशा की ओर मुख करके कुछ समय मंत्रजाप करो। इससे नींद योगनिद्रा बन जाएगी और जीवन चिंता-मुक्त होगा। पूज्य शास्त्री जी महाराज के दिव्य वचनों से संपूर्ण वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो उठा। श्रद्धालुओं ने कहा कि श्रीरामकथा वास्तव में संस्कारों की पाठशाला है, जो जीवन को दिशा और शांति प्रदान करती है। यह श्री रामकथा अमृत महोत्सव 3 नवंबर से 11 नवंबर तक प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक शिर्डीपुरम स्थित सिग्नेचर क्राउन के सामने, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। कथा के उपरांत प्रतिदिन महाप्रसादी वितरण होगा। आयोजकों ने समस्त भक्तों से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित कथा श्रवण कर धर्म, भक्ति और संस्कार का पुण्य लाभ प्राप्त करें। कथा के मुख्य संरक्षक- विधायक श्री रामेश्वर शर्मा (हुजूर), संरक्षक- श्रीमती ज्योति मिश्रा (पार्षद, वार्ड 82), श्री उपेंद्र जुगाड़े, अध्यक्ष- श्री लक्ष्मीकांत त्रिपाठी (परमार्थ किरण सेवा संस्थान), सचिव- श्री गोपाल कृष्ण गोयल, उपाध्यक्ष- श्रीमती वंदना धाकड़, श्री चतुर्वेदी. व्यवस्था समिति अध्यक्ष- श्रीमती सरोज वर्मा, पूजा समिति अध्यक्ष- श्री व्ही.जी. मोतेवर, कोषाध्यक्ष- श्रीमती मंजू निगम, मंच संचालन- श्री महेश तिवारी है।

जहरीले कफ सीरप मामले में एक और गिरफ्तारी, 'अपना मेडिकल' की प्रोपराइटर ज्योति सोनी को एसआईटी ने पकड़ा

भोपाल/नवप्रदेश। मप्र के छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सीरप कोल्ड्रिफ के सेवन से 24 मासूम बच्चों की मौत के सनसनीखेज मामले में एसआईटी ने सोमवार को एक और बड़ी कार्रवाई की। टीम ने मुख्य आरोपित डा. प्रवीण सोनी की फरार चल रही पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से आगे की वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ. प्रवीण सोनी की गिरफ्तारी के बाद से ही ज्योति सोनी फरार चल रही थीं। एसआईटी द्वारा लगातार दी जा रही दबिश के बाद आखिरकार उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ज्योति सोनी पर मुख्य रूप से दो गंभीर आरोप हैं जिसमें उनके मेडिकल स्टोर से जहरीले सीरप की अवैध बिक्री करना और बच्चों की मौत के बाद सबूत मिटाने का प्रयास करना शामिल है।

शिकायतों की जांच में लीपापोती से लोकायुक्त नाराज: पंचायत पदाधिकारियों, अफसरों के खिलाफ जांच के लिए बनाई एसओपी

भोपाल/नवप्रदेश। जिला और जनपद पंचायतों के सीईओ, जिला पंचायत अध्यक्षों, पंचायत अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत पदाधिकारियों के खिलाफ की जाने वाली शिकायतों की जांच में लीपापोती और अधूरी रिपोर्टों को लेकर लोकायुक्त संगठन ने नाराजगी जताई है। लोकायुक्त की इस नाराजगी के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने लोकायुक्त से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (स्ह्वक्क) तैयार की है। विभाग ने निर्देश दिया है कि आगे से सभी जांच इसी एसओपी के आधार पर की जाएं और रिपोर्ट उसी प्रारूप में प्रस्तुत की जाए। विभाग ने सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ), जिला पंचायतों को पत्र लिखकर लोकायुक्त से जांच हेतु प्राप्त शिकायतों की रिपोर्ट भेजने के लिए निर्धारित एसओपी का पालन करने के निर्देश दिए हैं। विभाग

ने कहा है कि अक्सर यह देखा गया है कि लोकायुक्त कार्यालय से विभाग को जांच के लिए जो शिकायतें प्राप्त होती हैं, वे संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों या पंचायत पदाधिकारियों से जुड़ी होती हैं, लेकिन जिलों से अस्पष्ट और अपूर्ण रिपोर्ट भेजी जाती है। ऐसी स्थिति में लोकायुक्त के समक्ष शासन स्तर पर जवाब प्रस्तुत करने में कठिनाई होती है। कई मामलों में लोकायुक्त द्वारा जांच प्रक्रिया पर ही असंतोष या नाराजगी व्यक्त की जाती है।इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग ने सभी बिंदुओं का अध्ययन कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु नई एसओपी तय की है।

ऐसे तय की गई है नई एसओपी

प्राप्त शिकायत का अध्ययन कर जांच के बिंदु निर्धारित किए जाएं। जांच बिंदु तय करने के बाद जांच अधिकारी या जांच दल का गठन किया जाए और जांच की समय-सीमा तय की जाए।यदि शिकायत निर्माण कार्यों या गुणवत्ता से संबंधित हो, तो जांच दल में सक्षम स्तर का तकनीकी अधिकारी शामिल किया जाए। यदि शिकायत में अकाउंट संबंधी बिंदु हों, तो जांच दल में अकाउंट्स ज्ञान वाले अधिकारी/कर्मचारी को शामिल किया जाए। जांच अधिकारी की नियुक्ति या दल गठन के समय यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायत शासकीय अधिकारी, कर्मचारी या पंचायत पदाधिकारी से संबंधित है और जांच अधिकारी उस स्तर का हो जो सक्षम रूप से जांच कर सके। जांच दल गठित होने की स्थिति में भी कम से कम एक अधिकारी ऐसा होना चाहिए जो संबंधित पदाधिकारी के समकक्ष या उच्च स्तर का हो।

एसओपी के मुख्य मानक बिंदु

जांच अधिकारी/दल द्वारा हर निर्धारित बिंदु पर तथ्यात्मक और प्रमाणिक जांच रिपोर्ट पेश की जाए। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित अधिकारी, कर्मचारी या पंचायत पदाधिकारी से जांच निष्कर्षों पर जवाब मांगा जाए। यदि जांच में पाया जाता है कि किसी अधिकारी, कर्मचारी या पंचायत प्रतिनिधि के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही, वसूली या अन्य कार्रवाई आवश्यक है, तो उस स्तर पर तत्काल कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजा जाए। यदि शिकायत सत्य या निराधार पाई जाती है, तो उस पर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन एवं निर्णय की जानकारी लोकायुक्त कार्यालय, पंचायत राज संचालनालय और राज्य शासन को समय-सीमा में अनिवार्य रूप से

एमपी के एकमात्र शासकीय होम्योपैथी कॉलेज में 7 करोड़ से बनेगा छात्रावास

सालाना 12 लाख रुपए की होगी बचत

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश के एकमात्र शासकीय होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए अब राहत भरी खबर आई है। लंबे इंतजार के बाद कॉलेज परिसर में नया पुरुष छात्रावास (हॉस्टल) बनने जा रहा है। राज्य सरकार ने इसके निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह भवन लगभग 7 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। मध्यप्रदेश के एकमात्र शासकीय होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जल्द ही बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। सरकार ने कॉलेज परिसर में नए छात्रावास (हॉस्टल) के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह हॉस्टल 7 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा।

किराए पर हॉस्टल का संचालन

अभी तक कॉलेज में केवल छात्राओं के लिए हॉस्टल की सुविधा है, जबकि छात्र बाहर किराए के भवन में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। फिलहाल कॉलेज प्रशासन बावड़िया कलांन में किराए पर एक हॉस्टल का संचालन कर रहा है, जिस पर हर महीने लगभग 1 लाख रुपए का खर्च आता है। नए हॉस्टल के शुरू होने से यह खर्च पूरी तरह बंद हो

जाएगा और संस्थान को सालाना करीब 12 लाख रुपए की बचत होगी। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, नया हॉस्टल 100 छात्रों की क्षमता वाला होगा और इसका।

कॉलेज परिसर में ही मिलेगी सुविधा

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके मिश्रा ने बताया कि हॉस्टल निर्माण का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब तक छात्रों को बावड़िया कलां से कॉलेज आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। साथ ही संस्थान को भी हर माह किराए पर भारी राशि खर्च करनी पड़ती थी। हॉस्टल बन जाने के बाद छात्रों को कॉलेज परिसर में ही रहने की सुविधा मिलेगी और यह संस्थान के लिए भी आर्थिक रूप से लाभदायक होगा।

पहली बार मिलेगी ऐसी सुविधा

जानकारी के अनुसार, यह छात्रावास सरकारी होम्योपैथी कॉलेज में बनने वाला पहला समर्पित पुरुष छात्रावास होगा। इससे बाहर के जिलों से आने वाले विद्यार्थियों को भी बेहतर आवास और पढ़ाई का माहौल मिलेगा।

किसानों ने किया पथराव, खिड़की-दरवाजे तोड़े: अशोकनगर में किसान के बेहोश होने पर हंगामा

अशोकनगर/नवप्रदेश। अशोकनगर में खाद का टोकन लेने के लिए लाइन में खड़ा किसान बेहोश होकर गिर गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इससे गुस्साए किसानों ने जमकर हंगामा किया। ऑफिस में तोड़फोड़ कर दी। गेट और खिड़कियों पर पत्थर फेंके। लातें मारीं। हंगामे के दौरान एक और किसान बेहोश हो गया। उसे भी अस्पताल पहुंचाया गया।

भोपाल में दोस्त का इंतजार कर रहे युवक से लूट: स्कूटी सवार बदमाश मोबाइल लेकर भागे

भोपाल/नवप्रदेश। बागसेवनिया इलाके में सोमवार सुबह सड़क पर खड़े युवक के साथ मोबाइल लूट की वारदात सामने आई है। वारदात के समय फरियादी अपने दोस्त का इंतजार कर रहा था। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। लूट करने वाले दोनों युवक स्कूटी पर सवार थे। पुलिस हुलिया के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। एएसआई मनोज शर्मा के मुताबिक मयूर विहार कॉलोनी निवासी अजहर खान पुत्र रमजान खान (26) प्राइवेट काम करता है। सोमवार की सुबह अजहर खान अपने दोस्त बॉबी खान के साथ हबीबगंज अंडर ब्रिज पुलिया के पास खड़े होकर आर्यन का इंतजार कर रहे थे। तभी स्कूटी पर सवार तीन बदमाश आए और बॉबी खान के हाथ से उसका मोबाइल फोन झपटकर ले गए। जब दोनों दोस्त कुछ समझ पाते बदमाश मौके से फरार हो चुके थे।

मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर हल्ला मचाने वाली कांग्रेस बूथ लेवल एजेंट तक नहीं बना पाई

एजेंटों का काम मतदाता सत्यापन के दौरान बीएलओ के साथ जाना है।

एमपी की 230 विधानसभा क्षेत्रों में से केवल 37 में ही बीएलए बने हैं।

आठ नवंबर तक हर हाल में बीएलए नियुक्त करके लिस्ट भेजना है।

भोपाल/नवप्रदेश। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर कांग्रेस ने बिहार सहित पूरे देश में हल्ला मचाया। वोट चोरी का आरोप लगाकर इसके विरोध में रैलियां निकालीं लेकिन हकीकत यह भी है कि पार्टी संगठन इसे लेकर गंभीर नहीं है। मध्य प्रदेश में मतदाता सूची में सुधार करवाने के लिए कांग्रेस 193 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) ही नहीं बना पाई है।

कुल 230 विधानसभा क्षेत्रों में से केवल 37 में ही बीएलए बने हैं। जबकि, पार्टी नेता राहुल गांधी का पूरा फोकस मतदाता सूची में होने वाली कथित गड़बड़ी रोकने पर है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के इस काम को प्राथमिकता देने के निर्देश पर अब प्रदेश कांग्रेस ने सभी जिला प्रभारियों से कहा है कि आठ नवंबर तक हर हाल में बीएलए नियुक्त करके सूची भेजी जाए ताकि उन्हें प्रशिक्षित कर मतदाता सूची के सुधार कार्य में लगाया जा सके। उधर, भाजपा ने इसे गंभीरता से लेते हुए अधिकतर बूथों पर एजेंट नियुक्त कर सूची आयोग को भेज दी है।

वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान शुरू किया

कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पराजय मिलने के बाद मतदाता सूची में

गड़बड़ी का मुद्दा उठाना शुरू किया और बिहार में जब चुनाव आयोग ने एसआईआर किया तो पार्टी विरोध में सड़कों पर आ गई। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने %वोट चोर-गद्दी छोड़% अभियान शुरू किया। मध्य प्रदेश कांग्रेस भी इसमें पीछे नहीं रही। मतदाता सूची की पड़ताल करने के लिए विधानसभा स्तर पर प्रभारी नियुक्त कर दिए। प्रशिक्षण भी दे दिया लेकिन जिन बीएलए को मैदानी काम करना है, उन्हें नियुक्त ही नहीं किया गया।

जिला अध्यक्षों का आवासीय प्रशिक्षण शुरू

जबकि, तीन माह से संगठन महामंत्री संजय कामले इसके लिए लगातार निर्देश दे रहे हैं। इस बीच, सभी जिला अध्यक्षों का आवासीय प्रशिक्षण रविवार से नर्मदापुरम जिले के पर्यटन स्थल पचमढ़ी में प्रारंभ हो गया। अब 10 दिन वे वहीं रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस ने सभी जिला प्रभारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर निर्देश दिए हैं कि आठ नवंबर तक बीएलए नियुक्त कर दिए जाएं। निर्वाचन आयोग ने इस बार बीएलए की फोटो भी मांगी है ताकि उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। एजेंटों का काम मतदाता सत्यापन के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ घर-घर जाना और दावा-आपत्ति करने का होता है। प्रदेश कांग्रेस को अब तक प्राप्त सूची के अनुसार छिंदवाड़ा, ग्वालियर, खरगोन, छतरपुर और नर्मदापुरम जिले में बीएलए की नियुक्ति का काम पूरा हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के गृह जिले इंदौर में ही नियुक्तियां अभी तक नहीं हुई हैं। भोपाल में केवल मध्य क्षेत्र की सूची प्राप्त हुई है। बता दें, एसआइआर के तहत मतदाताओं की पहचान करने के लिए मंगलवार चार नवंबर से घर-घर सर्वे प्रारंभ होगा। यह चार दिसंबर तक चलेगा।

■ न्यूज गैलरी

सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने संजय तिवारी

भिलाई। एसआर हॉस्पिटल एंड कॉलेज चिखली दुर्ग छग के चेयरमेन व समाजसेवी संजय तिवारी को सनातन धर्म परिषद न्यास की शाखा सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सनातन धर्म परिषद न्यास के अध्यक्ष अवध बिहारी दास ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। संजय तिवारी मानव सेवा के साथ गौ सेवा व गौवंश रक्षा के कार्य से भी काफी समय से जुड़े हैं। स्व. सुधाकर तिवारी मेमोरियल गौशाला का संचालन करते हुए गौ माता की सेवा व गौवंश की रक्षा करते हैं। उनकी नियुक्ति पर दुर्ग-भिलाई के गौसेवकों और सनातनियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने किया नगर कीर्तन का स्वागत

दुर्ग। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर नगर कीर्तन का नव दृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने स्वागत किया। सदस्यों ने नगर कीर्तन की अगुवाई कर रहे पंज प्यारों को फूल माला पहनाकर आशीर्वाद लिया। श्री गुरु ग्रन्थ साहेब पर पुष्प वर्षा कर माथा टेका और समाज के उत्थान के लिये अरदास की। इस मौके पर नव दृष्टि फाउंडेशन की ओर से कुलवंत भाटिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, सुरेश जैन, राजेश पारख ने नगर कीर्तन का स्वागत किया और श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व बधाई दी।

एशिया मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में भारतीय दल के मैनेजर होंगे ताजुद्दीन

भिलाई। तमिलनाडू के चेन्नई में 5 से 9 नवंबर तक 23 वीं एशिया मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता मास्टर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम के मैनेजर के रूप में भिलाई के वरिष्ठ एनआईएस एथलेटिक्स कोच ताजुद्दीन को चुना गया है। ताजुद्दीन पिछले कई वर्षों से मास्टर्स एथलेटिक्स के लिए काम कर रहे हैं। एथलेटिक्स के क्षेत्र में पिछले 40 वर्षों का लंबा अनुभव उनके पास है। इनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ मास्टर्स एथलीटों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। मास्टर्स एथेलेटिक्स को नए आयाम देने वाले ताजुद्दीन को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भारतीय टीम का मैनेजर बनाया गया है। ताजुद्दीन छत्तीसगढ़ मास्टर एथलेटिक्स संघ के सचिव भी हैं। उनकी नियुक्ति पर संघ के पदाधिकारियों व विभिन्न खेल संघों ने ताजुद्दीन को बधाई दी है।

अग्निवीर भर्ती: अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजित सिंह के निर्देश पर जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती 2025-26 के लिए ऑनलाइन लिखित परीक्षा (सी.ई.ई.) उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिये रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 दिसम्बर तक संचालित रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित कुल 39 अभ्यर्थियों को विनोद नायर (एनआईएस) कोच, बालक दास डहरे (पीटीआई, सेजेस फरीद नगर दुर्ग), उमेश निर्मलकर (पीटीआई सेजेस सेक्ट 6) और फणीश्वर साहू (पीटीआई सीजी पुलिस) द्वारा प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम में व्हीके केडिया, उपसंचालक रोजगार के साथ ईश्वर प्रसाद साहू, शिवदयाल धृतलहरे, दुलेश्वर साहू व हलधर नेताम उपस्थित रहे।

निधन : राम कुमार अग्रवाल

दुर्ग। रेजिमेंटल प्रेस दुर्ग निवासी रामकुमार अग्रवाल आ. स्वर्गीय महादेव प्रसाद अग्रवाल का आकस्मिक निधन 2 नवंबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया है।

सौ गुना मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ाया

दुर्ग/नवप्रदेश। खुद को तांत्रिक शक्ति का ज्ञाता बताते हुए आर्थिक लाभ का लालच देकर ठगी करने वाले एक हाई-प्रोफाइल गिरोह को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी खुद को तांत्रिक शक्ति से संपन्न बताते हुए दावा करते थे कि उनके पास ऐसी 'पूजा विधि' है, जिससे रकम को सौ गुना बढ़ाया जा सकता है। एक पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपियों ने उससे 11 लाख रुपये को 11 करोड़ रुपये करने का दावा किया। पूजा-पाठ और प्रक्रिया का हवाला देते हुए आरोपी गणों ने प्रारंभिक तौर पर 1 लाख रुपये ले लिए। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद जाल बिछाकर तीन आरोपियों को पकड़ा। उनके पास से एक लाख रुपये नगद, 7 मोबाइल फोन और एक अर्टिगा वाहन जब्त किया गया है। दुर्ग पुलिस का कहना है कि यह गिरोह भोले-भाले लोगों को धन दो गुना या सौ गुना करने का झांसा देता था और चोरी-छिपे रकम हड़प लेता था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने अंदेशा जताते हुए कहा है कि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और पीड़ितों की संख्या भी अधिक हो सकती है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र ने दुर्ग में किया राज्योत्सव का शुभारंभ

■ **तीन दिवसीय राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम**

दुर्ग/नवप्रदेश। रविवार को दुर्ग में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव राज्योत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया। पुराना गंज मंडी गंजपारा परिसर में दीप प्रज्वलन कर तीन दिवसीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया गया। इससे पहले शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद स्थानीय लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी। राज्योत्सव के अवसर पर दुर्ग में 2 से 4 नवंबर तक अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रविवार सुबह 8 बजे से ही कार्यक्रम समाप्ति तक दुर्ग शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। आम नागरिकों के लिए पार्किंग की व्यवस्था पुलिस लाइन, दुर्ग और जेआरडी स्कूल, दुर्ग में की गई है।

कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास के प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। हर सेक्टर में एक-एक ड्यूटी प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

महिला अधिकारी, यातायात आरक्षक भीड़ नियंत्रण, पार्किंग संचालन और पैदल यात्री मार्ग व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे है। कार्यक्रम स्थल के पास पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। नागरिकों को त्वरित सहायता और दिशा-निर्देश दिए जा रहे है। संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। फील्ड पेट्रोलिंग टीमें लगातार सक्रिय है।

गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन, सर्वसमाज ने किया स्वागत

सिक्ख समाज के लोगों ने सड़क पर झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

■ **गतका दल का करतब रहा आकर्षण का केन्द्र**

दुर्ग/नवप्रदेश। सिक्खों के प्रथम गुरू गुरूनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर रविवार को सिक्ख समाज द्वारा भव्य नगर-कीर्तन निकाल कर गुरू के मानवता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया गया। नगर कीर्तन स्थानीय स्टेशन रोड स्थित गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा से गुरूग्रंथ साहेब की पूजा-अर्चना कर प्रारंभ हुई। गुरूग्रंथ साहेब को फूलों से सुसज्जित एक खुले वाहन में विराजमान किया गया था। पंज प्यारों ने अगुवाई की। नगर-कीर्तन में गतका दल के करतब (अखाड़ा) का जोशीला प्रदर्शन आकर्षण का केन्द्र रहा।

नगर-कीर्तन गाजे-बाजे के साथ गुरूद्वारा से सिंधी धर्मशाला होते हुए राजेन्द्र पार्क चौक पहुंची। इसके बाद जीई रोड होते हुए पटेल चौक से इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्पलेक्स, तकियापारा, पोलसायपारा, अप्सरा टॉकीज चौक, अग्रसेन चौक, शहीद चौक होते हुए वापस गुरूद्वारा पहुंची। यहां नगर-कीर्तन का समापन हुआ।

नगर-कीर्तन का पूरे मार्ग में विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों लोगों द्वारा जगह-जगह उत्साह के साथ स्वागत कर सर्वधर्म-समभाव का संदेश दिया गया। विभिन्न संगठनों द्वारा नगर-कीर्तन में शामिल लोगों को पेयजल, फल और अन्य खाद्य सामग्रियों का वितरण कर गुरूनानक देव जी के प्रकाश पर्व की खुशियां मनाई। नगर-कीर्तन में सिक्ख समाज की महिला व पुरुषों ने सड़कों पर झाडू लगाकर स्वच्छता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

नगर-कीर्तन में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, धीरज बाकलीवाल, कांग्रेस नेता परमजीत सिंह भुई, पूर्व सभापति राजकुमार नारायणी, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व पार्षद मनदीप सिंह भाटिया, फतेसिंह भाटिया, श्री सांई मंदिर समिति अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष शिवाकांत तिवारी, शीतला मंदिर समिति अध्यक्ष रोमनाथ साहू, जिला भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष नितेश साहू, युवा कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह भाटिया के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होने गुरूग्रंथ साहेब के दर्शन कर शहर की सुख-समृद्धि के लिए कामना की।

सिंधी धर्मशाला स्टेशन रोड में पूज्य सिंधी जनरल पंचायत और पुराना बस स्टैंड स्थित बाबा के दरगाह के सामने मुस्लिम समाज के सदस्यों ने नगर-कीर्तन का स्वागत किया। नगर-कीर्तन के समापन पर गुरूद्वारा में गुरू के अटूट लंगर का वितरण किया गया। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

नगर कीर्तन में गुरूद्वारा श्री गुरूसिंह सभा के प्रधान महिंदर पाल सिंह, सचिव जीएस लांबा, हरमीत सिंह भाटिया, अरविंदर सिंह खुराना, दलप्रीत सिंह भाटिया, जितेंदर सिंह, सुखदेव सिंह, प्रिंस कब्बरवाल, गुरविंदर सिंह, अवतार सिंह रंधावा, सुरेन्दर सिंह कब्बरवाल, सतनाम कौर विरदी, मनिंदर सिंह, राजेन्दर पाल अरोरा, तरसेम सिंह ढिल्लन, महेंद्र सिंह खालसा, जस्सी सिंह, दुर्ग ट्रक मालिक संघ अध्यक्ष गुरदीप सिंह, इंदरजीत सिंह भाटिया, देवेन्दर सिंह भाटिया, भूपेन्दर सिंह, दुर्ग-भिलाई गुरूद्वारा के प्रधान, स्त्री सत्संगत की महिला जत्था, खालसा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के अलावा सिक्ख समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बिहार की चुनावी आमसभा में गूंजा जय-जय छत्तीसगढ़

■ **बिहार में विधायक रिकेश को दी गई स्थापना दिवस की बधाई**

भिलाई/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वें स्थापना दिवस पर बिहार की चुनावी सभा में जय जय छत्तीसगढ़ के नारे गूंजे। दरअसल, बिहार में प्रवासी प्रभारी रिकेश सेन चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

गरखा और अमनौर विधानसभा में एक नवंबर को चुनाव प्रचार करते हुए विधायक रिकेश सेन ने सभा में कहा कि भिलाई में हम लोगों ने बिहार दिवस उत्साह के साथ मनाया था। आज बिहार में छत्तीसगढ़ का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है।

इस मौके पर रिकेश ने सभा में उपस्थित भाजपा नेताओं को मिठाई भी खिलाई। बिहार के भाजपा नेताओं ने छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर रिकेश सेन को बधाई दी।रिकेश सेन ने कहा कि यही एकता और प्रेम वास्तविक रूप से राष्ट्रवाद की सबसे बड़ी ताकत है। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में जय-जय छत्तीसगढ़ का नारा गूंजा। बिहारवासियों ने छत्तीसगढ़ की रजत जयंती को सेलिब्रेट करते हुए मिठाई बांटी।

बिहार की दोनों विधानसभाओं में छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ विधायक रिकेश सेन ने आमसभा में बताया कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य बनाया। नए राज्य को विकास की डगर पर दौड़ाने वाले मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने 15 वर्ष के अपने शासनकाल में छत्तीसगढ़ को नया स्वरूप दिया। अब प्रदेश के आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ की बागडोर संभाल रहे हैं। विकास पथ पर हमारा प्रदेश सांय सांय नित नये आयाम तय कर रहा है।

रिकेश ने कहा कि इसी वर्ष हम सब ने जिस तरह छत्तीसगढ़ में बिहार दिवस सेलिब्रेट किया, उसी रूप में बिहारवासियों के दिल में छत्तीसगढ़ के प्रति प्रेम और भाईचारा देख वे गदगद हैं। जिस उत्साह से छत्तीसगढ़ के लिए जयकारे लगाए, यह इस बात का प्रतीक है कि बिहार के लोग भी छत्तीसगढ़ की तरह विकास और सुशासन के लिए फिर से एनडीए को ही सत्ता की बागडोर सौंपेंगे।

राष्ट्रीय साहसिक शिविर में शशांक का चयन

भिलाई/नवप्रदेश। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक शशांक का चयन राष्ट्रीय साहसिक शिविर के लिए हुआ है। शिविर 24 अक्टूबर से 2 नवंबर तक धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया है। शशांक छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रतिभागी के रूप में कर रहे हैं। शिविर में पर्वतारोहण, ट्रैकिंग, रिवर क्रॉसिंग जैसे विविध साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश भर से चयनित एनएसएस के स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

संस्थान की प्राचार्य डॉ अर्चना झा ने शशांक के चयन पर को अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा सूत्र बताया। उन्होंने शशांक के उज्जवल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना की है। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिल्पा कुलकर्णी ने कहा कि शशांक का चयन अन्य स्वयंसेवक को राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा। महाविद्यालय के डीन अकादमिक डॉ जे दुर्गा प्रसाद राव ने भी शशांक को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।

पीएम मोदी के आगमन पर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र ने किया स्वागत

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वें स्थापना दिवस पर एक नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर आगमन पर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने उनका स्वागत-अभिनंदन किया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनाएं भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनाव में दुर्ग जिला में जिलाध्यक्ष के रूप में भाजपा का परचम लहराने के लिए भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा की सराहना की।

भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने रजत जयंती महोत्सव पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए उनका वंदन किया। वर्मा ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर विकास का नया अध्याय जुड़ गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14,263.57 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर प्रदेश को अभूतपूर्व सौगात दी है।

वर्मा ने छत्तीसगढ़ को करोड़ों की सौगात प्रदान कर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

पर्यावरण संरक्षण थीम पर रंगोली प्रतियोगिता में पूनम बनी विजेता

दुर्ग/नवप्रदेश। देवउठनी ग्यारस के अवसर पर ऋषभ ग्रीन सिटी वेलफेयर सोसाइटी, ऋषभ ओनेक्स, और हाई टावर पुलगांव के संयुक्त तत्वाधान में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता की थीम पर्यावरण संरक्षण एवं हमारी संस्कृति रखी गई थी। सभी प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक रंगोली बनाई और अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पूनम राठी, द्वितीय अनुष्का भूतड़ा, तृतीय स्थान ज्योति राजपूत ने प्राप्त किया। ऋषभ ग्रीन सिटी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष राजकुमार गांधी, सचिव साकेत मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत व कोषाध्यक्ष विजय तापड़िया सहित उनकी समस्त टीम द्वारा समस्त विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। जज के रूप में कृष्णा नायक, मधु उपस्थित थे। कॉलोनी वासियों ने प्रतियोगिता आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। आयोजन में ऋषभ ग्रीन सिटी, ऋषभ ओनेक्स और हाई टावर सोसाइटी के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। रंगोली प्रतियोगिता के कार्यक्रम प्रभारी मनोज गुप्ता, सह कार्यक्रम प्रभारी मुकेश राठी थे।

जिला न्यायालय में प्लास्टिक मुक्त अभियान शुरू

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा राज्य भर में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और न्यायिक प्रशासन के उन्नयन के लिये अनुकरणीय और दूरगामी प्रयास किये जा रहे हैं। इससे प्रेरित होकर जिला न्यायालय दुर्ग के कर्मचारियों ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। कर्मचारियों ने स्वप्रेरणा और सामूहिक ज़िम्मेदारी की भावना से प्लास्टिक मुक्त न्यायालय परिसर अभियान शुरू किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक के हानिकारक उपयोग को समाप्त करना और न्यायालय परिसर को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ कार्यस्थल बनाना है। अभियान के दौरान न्यायालय परिसर में सभी अधिवक्ताओं, पक्षकारों, और कैंटीन संचालकों को विशेष रूप से प्लास्टिक के एक बार उपयोग (सिंगल यूज प्लास्टिक) से होने वाले गंभीर पर्यावरणीय खतरों के बारे में समझाया गया। सभी हितधारकों से प्लास्टिक के थैलों, कपों, पानी की बोतलों और पैकिंग सामग्री का उपयोग तत्काल बंद करने की भावनात्मक अपील की गई। उन्हें कपड़े के थैलों, स्टील या कांच के बर्तनों और अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कर्मचारियों ने परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने और इस पहल को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर यह संकल्प लिया गया है कि यह अभियान सतत प्रक्रिया के रूप में जारी रहेगा।

हेमचंद विवि में राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ समारोह

दुर्ग। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में शपथ समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी ने राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरदार पटेल के कार्यों से प्रेरित होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को और सशक्त बनाएंगे। इससे एक भारत की भावना को नई ऊर्जा मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने राष्ट्रीय एकता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह अभियान सरदार पटेल के उस स्वप्न को आधुनिक रूप है जहां हर राज्य, हर नागरिक और हर संस्था राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनें।

प्रथम पेज का शेष

राजद-कांग्रेस सरकार की गलतियों ...

वजह से कोशी नदी के ऊपर बन रहे विशाल पुल का निर्माण भी ठप हो गया उन्होंने कहा कि 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनने के बाद पुनः कोशी पुल का निर्माण शुरू हुआ और 2020 में इसका शुभारंभ हुआ।। उन्होंने कहा कि राजद-कांग्रेस की मिलीभगत और उपेक्षा के कारण कोशी क्षेत्र के विकास की गति बनने वाला एक पुल 17 वर्षों तक शुभारंभ की बाट जोहता रहा। उन्होंने कहा कि इस पुल के बनने के बाद कोशी के बहुत से इलाकों की मिथिला के कई इलाकों से दूरी 300 किलोमीटर तक घट गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोशी इलाके में बाढ़ सबसे बड़ी समस्या है। हर साल इस इलाके में जानमाल का बड़ा नुकसान होता है। उन्होने कहा कि करीब 11000 करोड़ की परियोजनाओं की स्वीकृति के साथ इस समस्या के निदान की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कोशी, बागमती, गंडक बेसिन बनाया जा रहा है, जिसके बाद यहां एक सुरक्षा कवच बन जायेगा। उन्होंने कहा कि अभिशाप को वरदान का रूप दिया जा रहा है और जिस पानी से लोगों की जिंदगियां चली जाती थी, उसी से करीब दो लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मखाना उत्पादनऔर मतस्य पालन मिथिला और कोशी की तकदीर बदल देंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में मखाना के विस्तार के लिए पहले ही मखाना बोर्ड की स्थापना कर दी गयी है और मतस्य उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए 'जुब्बा सहनी मतस्य प्रोत्साहन योजना' के तहत मछुआरों को 9000 रुपये की सहायता राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि उन्ही की सरकार ने मतस्य उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार इसके लिए नया मंत्रालय बनाया था। उन्होंने कहा मतस्य उत्पादन के क्षेत्र में केंद्र और बिहार सरकार के प्रयास साफदिख रहे हैं और कभी मछली का आयात करने वाला प्रदेश अब उसका निर्यात कर रहा है।

गुफा में पाकिस्तान...

लेकिन वो इस बारे में बात नहीं करते। हम एक ओपन सोसाइटी हैं, हम बात करते हैं क्योंकि हमारे पास स्वतंत्र प्रेस है। ट्रंप ने कहा, हम टेस्ट करेंगे क्योंकि वो कर रहे हैं। नॉर्थ कोरिया टेस्ट कर रहा है, पाकिस्तान भी टेस्ट कर रहा है। उन्होंने यह बयान तब दिया जब उनसे रूस के नए परमाणु हथियारों के परीक्षण के बाद अमेरिका की ओर से 30 साल बाद फिर से परमाणु परीक्षण करने के निर्णय पर सवाल पूछा गया।

यूएस के पास कितनी परमाणु ताकत?

ट्रंप ने कहा, रूस ने घोषणा की है कि वो परीक्षण करेगा। नॉर्थ कोरिया लगातार टेस्ट कर रहा है। बाकी देश भी कर रहे हैं। सिर्फहम नहीं कर रहे और मैं नहीं चाहता कि सिर्फ हम ही ऐसा देश रहें जो टेस्ट न करे।

अनिल अंबानी पर ईडी का ...

साथ 205।16 रुपये पर आ गए और पावर के शेयरो में करीब 6।6 फीसदी का डिप अभी भी देखने को मिल रहा है।

रिलायंस इंफ्रा का हाल

रिलायंस इंफ्रा के शेयरों का हाल बेहाल हुआ है। अनिल अंबानी की इस कंपनी के स्टॉक में लोअर सर्किट लग गया। कंपनी के मार्केट कैप में आज गिरावट दर्ज की गई है। इंफ्रा की वैल्यू जहां कल 8,767।18 करोड़ रुपये थी। वह आज करीब 1।30 बजे तक 437।23 करोड़ रुपये घटकर 8,329।95 करोड़ पर आ गई।

रिलायंस पावर की कम हुई वैल्यू

वहीं, दूसरी ओर ग्रुप की बड़ी कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर दलाल स्ट्रीट पर अभी 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं। अभी खबर लिखे जाने तक कंपनी के स्टॉक 6।05 फीसदी की गिरावट के साथ 43।61 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं, जिससे कंपनी की वैल्यू में भी गिरावट आई है। कल जहां कंपनी का मार्केट कैप 19,198।25 करोड़ रुपये पर बंद हुआ था। वह आज 17,804।49 पर आ गया है। रिलायंस पावर और इंफ्रा दोनों को मिला दें तो अनिल अंबानी को आज-आज में ही 1800 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हो गया है।

राज्य सरकार का ध्येय

11 गीगावाट पवन, 4 गीगावाट बॉयोमास और 820 मेगावाट लघु जल विद्युत की क्षमता है। हमारा लक्ष्य 2030 तक 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत नवकरणीय स्त्रोतों से पूर्ण करने का है। मुरैना में विकसित हो रही प्रदेश की पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना में 2.70 रूपये प्रति यूनिट बिजली अब तक की सबसे कम टैरिफ दर पर प्राप्त हुई है। यह अपने-आप में रिकार्ड है।

शुभ है स्थापना दिवस उत्सव के दौरान समाधान योजना का आरंभ होना मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में तीन दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान समाधान योजना का शुभारंभ और नए भवन का लोकार्पण शुभ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य केन्द्रित महानाट्य प्रदेश के गौरवशाली अतीत की झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर प्रदेश के इतिहास, संस्कृति और प्रगति पर केन्द्रित प्रदर्शनियों और आयोजनों में सहभागी होने का उपस्थित जनसमुदाय से आह्वान किया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सभी स्तर पर ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। हम अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति की सुविधा को देखते हुए कार्य कर रहे हैं। आज आरंभ हुई समाधान योजना सुशासन और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग से संबंधित प्रस्तावों को डॉ. यादव ने सहजता से स्वीकार किया। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया

न्यूज गैलरी

3 साल बीत गए... अभी भी लोगों के पास हैं 5817 करोड़, 2000 के नोट

नई दिल्ली। साल 2023 में सर्कुलेशन से बाहर किए गए 2000 रुपये के नोट अब तक पूरी तरह वापसी नहीं कर पाए हैं। आरबीआई के मुताबिक, 31 अक्टूबर 2025 तक 5,817 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी लोगों के पास हैं। यह कुल जारी नोटों का लगभग 1.63त है, जबकि 98.37त नोट वापस आ चुके हैं।
आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोट को सर्कुलेशन से बाहर करने की घोषणा की थी। उस समय बाजार में 3.56 लाख करोड़ रुपये मूल्य के नोट प्रचलन में थे। ये नोट साल 2016 की नोटबंदी के बाद जारी किए गए थे और बाद में क्लीन नोट पॉलिसी के तहत हटाए गए। शुरुआत में इन नोटों को 7 अक्टूबर 2023 तक सभी बैंकों में बदलवाने की सुविधा दी गई थी, लेकिन अब यह प्रक्रिया केवल आरबीआई के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों तक सीमित है। इनमें अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, लखनऊ सहित अन्य शहर शामिल हैं।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री अक्टूबर में 13 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। लोकप्रिय बाइक बुलेट की मैन्युफैक्चरिंग करने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने रविवार को बताया कि अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 1,24,951 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में बिक्री 1,10,574 इकाई थी। इस मजबूत वृद्धि की वजह त्योहारी मांग और बाजार धारणा में सुधार होना था। कंपनी ने बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 1,16,844 इकाई हो गई, जो अक्टूबर 2024 में 1,01,886 इकाई थी। हालांकि, निर्यात 7 प्रतिशत घटकर 8,107 इकाई रह गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 8,688 इकाई था। आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और रॉयल एनफील्ड के सीईओ बी गोविंदराजन ने कहा कि त्योहारी माहौल ने देश भर में बिक्री को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा, हमने सितंबर और अक्टूबर के त्योहारी महीनों में 2.49 लाख से ज्यादा मोटरसाइकिलों की बिक्री की है, जो कि कंपनी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, यह एक ऐसी उपलब्धि है जो हमारी गति और ब्रांड के प्रति राइडर्स के अटूट प्रेम को दर्शाता है। आयशर मोटर्स समूह की कंपनी रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350, बुलेट, हंटर 350 और हिमालयन जैसे लोकप्रिय मॉडलों की मैन्युफैक्चरिंग करती है। रॉयल एनफील्ड का यह मजबूत प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब भारत की पूरी दोपहिया वाहन इंडस्ट्री में जीएसटी सुधार के कारण तेजी देखी जा रही है। टीवीएस मोटर कंपनी और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया सहित कई प्रमुख दोपहिया वाहन निर्माताओं ने अक्टूबर में जीएसटी सुधारों और त्योहारी मांग के चलते 8 से 11 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि दर्ज की है। इंडस्ट्री के अनुमानों के अनुसार, जीएसटी सुधारों और मजबूत त्योहारी मांग के चलते भारत में दोपहिया वाहनों की बिक्री में तेजी आई है और प्रमुख वाहन निर्माताओं ने अक्टूबर 2025 के दौरान बिक्री में 8 से 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

अमेरिका में 4000 करोड़ रुपए का बड़ा वित्तीय घोटाला

भारतीय मूल के सीईओ घेरे में; ब्लैंक रॉक ने ठोका मुकदमा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के दूरसंचार क्षेत्र में काम करने वाली एक कंपनी 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,000 करोड़ रुपये) के वित्तीय घोटाले को लेकर अचानक सुर्खियों में आ गई है। इस पूरे विवाद के केंद्र में भारतीय मूल के सीईओ बंकिम ब्रह्मभट्ट हैं, जो अमेरिका में 'ब्रॉडबैंड टेलीकॉम' और 'ब्रिजवॉइस' नाम की कंपनियों के मालिक हैं।
अमेरिकी अखबार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया की सबसे बड़ी निवेश फर्मों में से एक ब्लैकरॉक इंक (ब्ल्ड्ड्य्यऱ्र्य्य्ध्न्ठ्ठ.) की एक इकाई और कुछ अन्य बड़े ऋणदाता (द्यह्लठ्ठद्गह्वह्व) अब ब्रह्मभट्ट से अपने करोड़ों डॉलर वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं। इन ऋणदाताओं ने अगस्त में अदालत में मुकदमा दायर किया था, जिसमें दावा किया गया कि ब्रह्मभट्ट की कंपनियों पर उनका 50 करोड़ डॉलर से अधिक का बकाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सौदे में फांस के बड़े बैंक बीएनपी परिबास (ङ्कह्व्ह्वद्बद्बड्डद्ब) ने भी भूमिका निभाई थी। बताया जा रहा है कि इस बैंक ने ब्लैकरॉक की एक सहयोगी इकाई को बंकिम ब्रह्मभट्ट के डेब्ट फाइनेंसिंग (ऋण) में मदद की थी।
हालांकि, बीएनपी परिबास ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।यह पूरा मामला 'एसेट-बेस्ड फाइनेंसिंग' (ह्वह्यह्यद्ग-ड्ढड्डह्यद्गस्र द्घद्बठ्ठड्डठ्ठष्द्बठ्ठद्द) नाम के एक खास प्रकार के ऋण सौदे से जुड़ा है। इस सिस्टम में, कंपनियां अपने व्यवसाय से आने वाले निश्चित राजस्व या ग्राहकों से मिलने वाली रकम को संपार्श्विक (गारंटी) के रूप में रखकर कर्ज लेती हैं।आम तौर पर यह तरीका सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि उधार देने वाली संस्था के पास किसी वास्तविक संपत्ति के रूप में गारंटी होती है। लेकिन हाल के वर्षों में इस सेक्टर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और इसके साथ ही धोखाधड़ी और घाटों की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं।वहीं, बंकिम ब्रह्मभट्ट ने इन सभी आरोपों से साफ इनकार किया है। उनके वकील का कहना है कि यह मामला केवल ÷व्यावसायिक असहमति÷ का है, इसमें किसी तरह की धोखाधड़ी या जानबूझकर की गई गड़बड़ी नहीं है। फिलहाल यह मामला अमेरिकी अदालत में विचाराधीन है और जांच जारी है।
यह विवाद इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि इसमें दुनिया की सबसे बड़ी निवेश कंपनी ब्लैकरॉक, फांस का बड़ा बैंक बीएनपी परिबास और एक भारतीय मूल का उद्यमी, तीनों शामिल हैं। यह घटना अमेरिकी ऋण बाजार के उस हिस्से पर भी सवाल खड़े करती है, जो अब तक काफी हद तक नियामक निगरानी से बाहर रहा है।

अप्रैल से सितंबर के दौरान कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए रही हैं

भारत का राजकोषीय घाटा अप्रैल-सितंबर अवधि में पूरे वर्ष के लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली। भारत का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर अवधि) में 5.73 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पूरे वर्ष के लिए बजट में निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत है। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा से दी गई।
आंकड़ों के मुताबिक, राजकोषीय घाटा फिलहाल नियंत्रण में है और इससे अर्थव्यवस्था के लिए स्थिर वृद्धि का रास्ता तैयार होता है। अप्रैल से सितंबर के दौरान कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए रही हैं, जबकि कुल व्यय 23.03 लाख करोड़ रुपए रहा। यह 2025-26 के बजट में निर्धारित लक्ष्य का क्रमशः 49.5 प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत था।राजस्व प्राप्तियां 16.95 लाख करोड़ रुपए रही हैं, जिनमें से कर राजस्व 12.29 लाख करोड़ रुपए और गैर-कर राजस्व 4.66 लाख करोड़ रुपए रहा।भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केंद्र सरकार को

2.69 लाख करोड़ रुपए का लाभांश स्वीकृत किए जाने से गैर-कर राजस्व में वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के ट्रांसफर 2.11 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इससे केंद्र सरकार को अपने राजकोषीय घाटे को और कम करने में मदद मिलेगी।कुल सरकारी खर्च अप्रैल-सितंबर अवधि में 23 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 21.1 लाख करोड़ रुपए था।यह राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे क्षेत्रों में बड़ी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर सरकार के बढ़ते खर्च को दर्शाता है, जो भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और अमेरिकी टैरिफ उथल-पुथल से उत्पन्न बढ़ती आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश में आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025 के बजट में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.9 प्रतिशत रखा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 5.6 प्रतिशत था।घटता राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। इससे सरकार की उधारी में कमी आती है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में कॉर्पोरेट और उपभोक्ताओं को ऋण देने के लिए अधिक धनराशि बचती है, जिससे आर्थिक विकास में तेजी आती है।

भारत 2030 तक 30 करोड़ टन क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता हासिल करेगा : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय स्टील राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने शुक्रवार को कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 30 करोड़ टन क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता हासिल करना है। स्वीडन के ऊर्जा, व्यापार और उद्योग मंत्री की स्टेट सेक्रेटरी सारा मोडिग के साथ राष्ट्रीय राजधानी में एक बैठक में केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के बढ़ते स्टील क्षेत्र का जिक्र किया, इस बैठक में भारत में स्वीडिश राजदूत जान थेस्लेफ और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। स्टील मंत्रालय के अनुसार, बड़े पैमाने की इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के कारण भारत की घरेलू स्टील मांग 11-13 प्रतिशत की प्रभावशाली दर से बढ़ रही है, जबकि वैश्विक मांग में कमजोरी देखने को मिल रही है। इस बैठक में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए ग्रीन स्टील प्रोडक्शन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में रिसर्च एवं डेवलपमेंट के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए चर्चा हुई।
केंद्रीय मंत्री ने स्वीडन को भारत स्टील 2026 में भाग लेने के लिए दिए गए निमंत्रण की पुनः पुष्टि की। यह स्टील इंडस्ट्री को समर्पित एक

इंटरनेशनल-कम-एग्जीबिशन है जिसका आयोजन 16-17 अप्रैल, 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जाएगा।
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कि इस वर्ष सितंबर में भारत के आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 3 प्रतिशत रही है। इस दौरान इस्पात और सीमेंट सेक्टर का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। मंत्रालय की ओर से जारी डेटा में बताया गया कि सरकार द्वारा संचालित बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बढ़ती मांग के कारण सितंबर में स्टील उत्पादन में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। 2025-26 के अप्रैल से सितंबर के दौरान इस्पात की संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक रही।

खेल, मनोरंजन

भारतीय वूमेंस टीम की ऐतिहासिक जीत पर देश में जश्न

***प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर सचिन-विराट तक ने दी बधाई**
***BCCI देगा 51 करोड़ का इनाम**

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय विमेंस टीम रविवार को मुंबई में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी। इस जीत के बाद पूरा देश खुशी से झूम उठा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पूर्व खिलाड़ियों ने टीम को बधाई दी है। हमारी खिलाड़ियों को बधाई- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ढ्ढष्टष्ट विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई।

यह ऐतिहासिक जीत भविष्य के चैंपियन खिलाड़ियों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी। लड़कियों ने भारत को गौरवान्वित किया- राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा, भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम की सभी मेंबर्स को ढ्ढष्टष्ट विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 जीतने पर मेरी हार्दिक बधाई। उन्होंने पहली बार जीत हासिल करके इतिहास रच दिया है। वे अच्छा खेल रही हैं और आज उन्हें अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन के अनुरूप परिणाम मिला है। यह निर्णायक क्षण महिला क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगा। जिस तरह से लड़कियों ने भारत को गौरवान्वित किया है, मैं उनकी प्रशंसा करती हूं। विराट कोहली ने दी बधाई विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'ये लड़कियों ने इतिहास रच दिया है और एक भारतीय होने के नाते मुझे बहुत गर्व हो रहा है कि इतने सालों की मेहनत आज रंग लाई। वे सारी तालियों की हकदार हैं और हरमनप्रीत और पूरी टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई। पर्दे के पीछे काम करने वाले पूरे स्क्वॉड और मैनेजमेंट को भी बधाई। शाबाश इंडिया। इस पल का भरपूर आनंद लें। यह हमारे देश में अनगिनत लड़कियों को खेल अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। जय हिंद।' सचिन ने किया ट्वीट सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 1983 ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। आज, हमारी महिला क्रिकेट टीम ने कुछ सचमुच खास किया है। उन्होंने देश भर की अनगिनत युवा लड़कियों को बल्ला और गेंद उठाने, मैदान में उतरने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है कि वे भी एक दिन वह ट्रॉफी उठा सकती हैं। यह भारतीय महिला क्रिकेट की यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। शाबाश, टीम इंडिया। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

प्रणव झा निर्देशित फिल्म 'एम ए प्रीवियस' 4 नवंबर को मीटअप कलाकारों की रहेगी धूम

रायपुर। 'बीए फर्स्ट ईयर', 'बीए सेकंड ईयर' और 'बीए फाइनल ईयर' की ऐतिहासिक सफलता के बाद निर्माता राज वर्मा और लेखक-निर्देशक प्रणव झा की सुपरहिट जोड़ी अब इस सीरीज का चौथा भाग 'एम ए प्रीवियस' लेकर आ रहे है, जो 7 नवंबर को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसी कड़ी में आगामी 4 नवंबर को फिल्म प्रमोशन के तहत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंजर के लिए मीटअप स्थानीय बेबीलोन इन होटल में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध बैनर अरण्य सिनेमा के तहत बनी यह फिल्म पहले ही अपने संगीत को लेकर चर्चा में है। बता दें कि इस सीरीज की पहली दो फिल्में 'बीए फर्स्ट ईयर' और 'बीए सेकंड ईयर' यूट्यूब पर अब तक की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली छत्तीसगढ़ी फिल्में हैं, जिसने इस सीरीज को एक ब्रांड बना दिया है। फिल्म के निर्देशक प्रणव झा ने कहानी के बारे में बताया, यह फिल्म दो भाइयों के खूबसूरत रिश्ते पर आधारित है, जिसमें बड़ा भाई प्रोफेसर है और छोटा भाई 'एम ए प्रीवियस' का छात्र। कहानी का मुख्य द्वंद्व अरेंज मैरिज और लव मैरिज को लेकर दोनों भाइयों की अलग-अलग विचारधारा है। इसी ताने-बाने को एक मनोरंजक पारिवारिक ड्रामा के साथ परदे पर उतारा गया है। फिल्म में छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुपरस्टार दीपक साहू और राज वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ उड़ीसा की सुपरस्टार हिरनमई दास और नवोदित अभिनेत्री व प्रसिद्ध इंस्टाग्रामर आराधना साहू मुख्य भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की दमदार स्टारकास्ट में राजेश बागमारे, अंजलि चौहान, लक्ष्मी झा, संजू साहू, धर्मेंद्र चौबे, संगीता निषाद, राजू कोल्हाटकर, शमशेर शिवनी, मोहित जोशी, दादू साहू, मंदिर नायक और पप्पू चंद्राकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म का संगीत सुनील सोनी ने तैयार किया है, जिसे सुनील सोनी, अनुराग शर्मा, चंपा निषाद और कंचन जोशी ने अपनी आवाज दी है। फिल्म के गाने सुंदरानी यूट्यूब चैनल पर रिलीज होते ही लाखों व्यूज बटोर चुके हैं और इन पर इंस्टाग्राम में हजारों रील्स बन रही हैं। फिल्म के कोरियोग्राफर चंदन दीप, संजू तांडी एवं नंदू (ओडिसा), कैमरामैन राज ठाकुर और एडिटर श्रेष्ठ वर्मा हैं।

दो दशक का सफर पूरा, गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने कहा फुटबॉल को अलविदा

नई दिल्ली। 35 वर्षीय अरिंदम ने एक भावुक पोस्ट में अपने सफर को याद करते हुए लिखा कि, 'यह सब उनके बचपन के उस सपने से शुरू हुआ था। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के लिए खेलना और बाइचुंग भूटिया का सामना करना।' अनुभवी भारतीय गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने शनिवार को पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी, जिससे आई-लीग, आईएसएल और राष्ट्रीय टीम में लगभग दो दशकों तक चले उनके शानदार करियर का अंत हो गया। 35 वर्षीय अरिंदम ने एक भावुक पोस्ट में अपने सफर को याद करते हुए लिखा कि, 'यह सब उनके बचपन के उस सपने से शुरू हुआ था। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के लिए खेलना और बाइचुंग भूटिया का सामना करना।' अपने कोचों, टीम साथियों, प्रशंसकों और परिवार का धन्यवाद करते हुए अरिंदम ने कहा कि उनका शरीर अब उन्हें बता रहा था कि रुकने का समय आ गया है लेकिन मेरा दिल हमेशा उन गोलपोस्ट के अंदर ही रहेगा। उन्होंने लिखा, 'दो दशक बाद मैं उन ट्रॉफियों, संघर्षों और जख्मों को देखता हूं जो सब कुछ बयां कर देते हैं। लेकिन सबसे बढ़कर मैं उन यादों, सीखों, दोस्ती और आभार को देखता हूं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगे।' टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षित अरिंदम ने अपने सीनियर करियर की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स से की थी और मात्र 19 वर्ष की उम्र में ही आई-लीग खिताब जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने पुणे सिटी एफसी, बेंगलुरु एफसी, मुंबई सिटी और मोहन बागान के लिए भी खेला। उन्होंने 2019-20 सीजन में आईएसएल खिताब जीता और अगले सत्र में 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार प्राप्त किया। साल 2021 में उन्होंने ईस्ट बंगाल की कप्तानी की, जो उनके परिवार का भी एक सपना था। अरिंदम ने भारत के लिए पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और राष्ट्रीय टीम के कई शिविरों का हिस्सा रहे। सुब्रतो कप में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन ने भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया, जहां उन्होंने श्रीलंका और म्यांमार के खिलाफ मैच खेले।

फाइनल में सुनिधि चौहान ने बांधा समा

***इनिंग ब्रेक के दौरान दी जबरदस्त परफॉर्मेंस**

खेल डेस्क। रविवार को महिला विश्व कप 2025 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हो रहा है। सिंगर सुनिधि चौहान ने राष्ट्रगान से मैच का शुभारंभ किया। इनिंग ब्रेक के दौरान स्टेज पर कमाल की परफॉर्मेंस से समा बांध दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम वनडे वर्ल्डकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के साथ खेल रही है। मैच शुरू होने से पहले सुनिधि चौहान ने टीम के साथ राष्ट्रगान गाया। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हौसला बढ़ा रही हैं। इनिंग ब्रेक के दौरान भी सुनिधि ने डांस और सिंगिंग की जबरदस्त परफॉर्मेंस दी है। सिंगर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पहले भी सिंगिंग परफॉर्मेंस की तैयारियों वाली तस्वीरें साझा की थीं। पहले सुनिधि चौहान ने टीम इंडिया के साथ मिलकर राष्ट्रगान गाया। स्टेडियम में खड़े होकर लोगों ने भी राष्ट्रगान गाया। सभी जोश से भरे नजर आए। कुछ ही देर में वुमन वर्ल्ड कप का फाइनल मैच शुरू हो गया। फिर इनिंग ब्रेक में सुनिधि ने डांस, सिंगिंग की परफॉर्मेंस दी।

बाहुबली द एपिक ने बाक्स आफिस पर लगाई दहाड़

साउथ सिनेमा को बालीवुड में प्रचलित करने में एसएस राजामौली का बड़ा योगदान है। जब राजामौली साल 2015 में बाहुबली लेकर आए तो हिंदी पट्टी के दर्शकों ने भी इस पर खूब प्यार लुटाया, जिसके बाद बाक्स आफिस का पूरा समीकरण बदल गया। फिर लाए वो बाहुबली 2, जिसके बाद साउथ की फिल्मों की दीवानगी बालीवुड में और बढ़ गई। अब इन दोनों फिल्मों को मिलाकर राजामौली ने बाहुबली द एपिक तैयार की, जिसने आते ही कमाल कर दिया।बाहुबली द एपिक ने 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी। इसे रिलीज के पहले दिन दर्शकों से खूब प्यार मिला और इसे देख दर्शक रोमांच से भर उठे। फिल्म ने शानदार शुरुआत की है। सैकनिल्क के मुताबिक बाहुबली द एपिक ने 9.25 करोड़ से अपना खाता खोला, वहीं स्पेशल स्क्रीनिंग में फिल्म ने 1.15 करोड़ रुपये कमाए थे। इसी के साथ बाहुबली द एपिक की पहले दिन की कुल कमाई 10.40 करोड़ रुपये हो गई है।बाहुबली द एपिक करीब 3 घंटे 45 मिनट लंबी है। सोशल

मीडिया पर हर तरफ इसे सिर्फ सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रशंसकों का कहना है कि 10 साल बाद भी राजामौली की बाहुबली का जादू फीका नहीं पड़ा है। इस फिल्म के आगे नई फिल्में धाम और एक दीवाने की दीवानियत भी फीकी पड़ गई। बाहुबली द एपिक की इतनी कमाई देख माना जा रहा है कि वीकेंड पर ये फिल्म धांसू कमाई कर सकती है। पिछले कुछ समय से विवादों में रही फिल्म द ताज स्टोरी भी 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन ये रिलीज के पहले दिन दर्शक इकट्ठा करने में असफल रही।

जिले को कुपोषणमुक्त बनाने मिशन के रूप में काम करें

कलेक्टर विश्वकर्मा ने विभागीय योजनाओं तथा कार्यों में गति लाने के दिए निर्देश

टीएल बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने की विभागीय कार्यो की

रायसेन/नवप्रदेश। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभिन्न विभागों की विभागीय योजनाओं तथा निर्माण कार्यो की प्रगति और सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों से कहा कि विभागीय कार्यों में गति लाएं। प्रगतिरत कार्यो को शीघ्र पूर्ण कराएं तथा जो कार्य स्वीकृत होग गए हैं, लेकिन अभी प्रारंभ नहीं हुए हैं उन्हें भी शीघ्र प्रारंभ कराएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप संचालक कृषि श्री केपी भगत से जिले में प्राकृतिक खेती के रकबे को बढ़ाने हेतु कलस्टर विकसित करने किए अभी तक किए गए प्रयासों की जानकारी लेते हुए कहा कि प्रयासों के परिणाम धरातल पर प्रदर्शित होने चाहिए। प्राकृतिक खेती के इच्छुक किसानों से संवाद कर उन्हें प्रशिक्षण प्रदाय किया जाए। उन्होंने पराली के उचित प्रबंधन हेतु किए जा रहे कार्यो की जानकारी लेते हुए कहा कि जहां पराली जलाने की अधिक शिकायतें आएं, वहां किसान संगठनों से चर्चा करें तथा इसके बाद भी पराली जलाने की घटनाएं होने पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने भावांतर योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी एसडीएम और कृषि अधिकारियों को कृषि उपज मंडियों का सतत् भ्रमण करने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त सब्जी कलस्टर तथा मत्स्य पालन हेतु बायो फ्लैक यूनिट स्थापित किए जाने संबंधी जानकारी लेते हुए निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मातृ-शिशु स्वास्थ्य में सुधार हेतु दिए गए निर्देशों के अनुरूप की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने जिले में सुरक्षित प्रसव हेतु हाईरिस्क वाली गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन के साथ ही उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। साथ ही स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के अमले द्वारा डोर टू डोर सर्वे किए जाने के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एनआरसी में भर्ती बच्चों की जानकारी लेते हुए कहा कि जिले को कुपोषिण मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग तथा महिला बाल विकास विभाग समन्वय के साथ काम करें। डोर टू डोर सर्वे कर कुपोषित बच्चों को चिन्हित करते हुए उन्हें कुपोषण की श्रेणी से बाहर निकालने हेतु प्राथमिकता से काम किया जाए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने डेयरी एवं पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु पशुपालन को ब?ावा देने तथा स्व-सहायता समूहों को इससे जो?ने हेतु अभी की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी लेते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। टीएल बैठक में मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मत्स्य पालन को ब?ावा देने हेतु बॉयो फ्लेक सहित अन्य संचालित योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने डेयरी एवं पशुपालन विभाग, महिला बाल विकास विभाग, सहकारिता विभाग, सामाजिक न्याय, खनिज विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यो और योजनाओं

न्यूज गैलरी

एसआईआर संबंधी शिकायतों के 100 मिनट में निराकरण के लिए लगाई गई अधिकारियों की ड्यूटी

सीहोर/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बालागुरू के. द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए आदेश जारी किए गए हैं। एसआईआर कार्यक्रम के दौरान आवेदन, ईमेल और सोशल मीडिया से प्राप्त होने वाली शिकायतों का 100 मिनट में निराकरण करने के लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री देवेंद्र ओगारे, ई गवर्नेंस प्रबंधक श्री गौरव बंसल, श्री जितेंद्र मालवीय, श्री सर्वेश अबलेशिया एवं श्री संजय वर्मा को जिला स्तरीय सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

निगरानी एवं मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा एसआईआर कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित कर अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेशानुसार लोक सेवा प्रबंधक श्री विजय बामकले को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू संचालन एवं समय सीमा में त्रुटि रहित कार्य पूर्ण करने के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें जिला पंचायत सीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है। जारी आदेशानुसार सभी जिला स्तरीय नोडल अधिकारी समस्त बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित करायेगे। मतदाताओं की मैपिंग में बीएलओ की सहायता हेतु अधीनस्थ स्थानीय कर्मचारियो को निर्देशित करेंगे। आयोग के मापदण्डो अनुसार मतदाताओं की मैपिंग संबंधी कार्य पूर्ण करायेगे। Enumeration Form के वितरण एवं वापसी का कार्य पूर्ण करायेगे। भ्रमण कर बीएलओ एवं सुपरवाईजर के कार्यों की समीक्षा करेगे। ईआरओ से समन्वय करेगे। प्राप्त होने वाली शिकायतों का 100 मिनट मे निराकरण कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगे। हेल्पडेस्क की स्थापना एवं उनकी क्रियाशील होने की कार्यवाही करेगे। इसके साथ ही समय-समय पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करेंगे।

विधानसभा स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू संचालन एवं समय सीमा में त्रुटि रहित कार्य पूर्ण करने के लिए विधानसभा स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें सभी जनपदों के सीईओ, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, सभी महिला बाल विकास परियोजना अधिकारियों और सभी नगर पालिका सीएमओ को अपने अपने विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बाल विवाह रोकथाम पर कलेक्टर सख्त, सभी अधिकारी रहें अलर्ट बाल विवाह की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करें अधिकारी समय-सीमा बैठक आयोजित

राजगढ़/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, अपर कलेक्टर श्री प्रताप सिंह चौहान, संयुक्त कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह दांगी तथा अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी डॉ. श्रीमती ज्योति राजोरे सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में ई-ऑफिस, ई-केवाईसी, अवमानना प्रकरणतथा सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि सभी अधिकारी लंबित मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण करना सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग को बस स्टैंड के पास छोटी पुलिया की दिशा में गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने निर्देश दिए गए। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)को गंभीरता से लेने के निर्देश देते हुए कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रशिक्षित रहें, नियमित बैठकें करें, एन्यूमरेशन फॉर्म भरने में सहायता करें और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) का परिवर्तन न किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)को गंभीरता से लें और कार्य में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बाल विवाह रोकथाम पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सभी अधिकारी इस दिशा में सजग रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएं, पंचायत सचिवों को सक्रिय रखा जाए और किसी भी बाल विवाह की सूचना पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने भावांतर योजना की भी समीक्षा की और कृषि विभाग से पूछा कि कितने किसानों के खातों में राशि पहुंची, कितनी लंबित प्रविष्टियां हैं और फेल पेमेंट के कारण क्या हैं। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और अपडेट की आवश्यकता बताई। बैठक में पुस्तक वितरण और छात्रवृत्ति वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए कि सभी पात्र विद्यार्थियों को समय पर लाभ मिले। अक्टूबर माह में जल संसाधन विभाग का प्रदर्शन कमजोर रहा। साथ ही एपीओमनरेगा पर 2 हजार रूपये का जुर्माना अधिरोपित किया। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि बाल विवाह, विशेष गहन पुनरीक्षण, भावांतर योजना और सभी प्राथमिक योजनाओं पर गंभीरता से कार्य किया जाए तथा संबंधित जिला अधिकारी नियमित समीक्षा कर जिम्मेदारी तय करें। बैठक में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए जल संसाधन विभाग की अक्टूबर माह में सीएम हेल्पलाईन में खराब प्रदर्शन करने पर संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला सहकारी बैंक को शिकायतें संतुष्टि पूर्वक बंद नहीं किए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जेएसओ एवं संबंधित पंचायत सचिव की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने राशन संबंधी शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राजगढ़ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित ग्राम चाटूखेडा के पास पोल शिफ्टिंग प्रकरण में एसडीओ एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए गए।

भोपाल को विश्वस्तरीय राजधानी बनाने के संकल्प को पूरा करेंगे- चैतन्य कश्यप

नेता नहीं बेटा बनकर काम करता हूँ इसलिए हुजूर विधानसभा का काम बोलता है- रामेश्वर शर्मा

सुखीसेवनिया में 28 करोड़ से बनेगा सिक्स लेन फ्लाइओवर, प्रभारी मंत्री और विधायक ने किया भूमिपूजन भोपाल को विश्वस्तरीय राजधानी बनाने का संकल्प साकार करने की दिशा में बड़ा कदम

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भोपाल को विश्वस्तरीय राजधानी÷ बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। भोपाल के प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप और हुजूर विधानसभा के विधायक श्री रामेश्वर शर्मा की उपस्थिति में सोमवार को सुखीसेवनिया चौराहे पर 28 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सिक्सलेन फ्लाइओवर का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह फ्लाइओवर भोपाल शहर के बढ़ते यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए एक अत्यंत आवश्यक और बहुप्रतीक्षित परियोजना है। सुखीसेवनिया चौराहा भोपाल से विदिशा और बायपास मार्ग को जोड़ने वाला अत्यंत व्यस्त जंक्शन है, जहाँ प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। लगातार बढ़ते ट्रैफिक और दुर्घटनाओं को देखते हुए यहाँ फ्लाइओवर निर्माण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (MPRDC) द्वारा लगभग 700 मीटर लंबे इस सिक्सलेन फ्लाइओवर का निर्माण किया जाएगा, जिसके दोनों ओर एक-एक किलोमीटर की सर्विस रोड भी बनाई जाएगी। निर्माण कार्य एक वर्ष के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से भोपाल से विदिशा, बायपास और आसपास के क्षेत्रों से प्रतिदिन आने-जाने वाले नागरिकों को भारी राहत मिलेगी। भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल को विश्वस्तरीय महानगर के रूप में विकसित करने का जो संकल्प लिया है, वह अब धरातल पर उतर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का विज़न है कि भोपाल न केवल प्रशासनिक राजधानी के रूप में बल्कि आधुनिक शहरी ढांचे, उत्कृष्ट सड़क नेटवर्क और नागरिक सुविधाओं के मामले में देश के शीर्ष शहरों में शामिल हो। श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने विधायक रामेश्वर शर्मा की सक्रियता, संवेदनशीलता और क्षेत्र के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ÷हुजूर विधानसभा में जितनी तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, वह निश्चित ही एक आदर्श उदाहरण है। आने वाले समय में भोपाल का हर कोना विकास की नई परिभाषा लिखेगा।÷ विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ÷सुखीसेवनिया चौराहा बायपास और भोपाल-विदिशा मार्ग का संगम बिंदु है। यहाँ हर दिन जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति बनती थी, इसलिए यहाँ फ्लाइओवर बनना बेहद जरूरी था। इस फ्लाइओवर की माँग किसी ने मुझसे नहीं की, परंतु मैं आपका नेता नहीं बल्कि बेटा हूँ। आपके कष्ट मेरे अपने हैं। इसलिए मैंने स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह कर इस फ्लाइओवर की स्वीकृति दिलाई। शर्मा ने इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷जब जनता के सुख-दुख को अपना मानकर कार्य किया जाए तो विकास की गति स्वतः तेज़ हो जाती है।÷ विधायक श्री शर्मा ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ÷प्रधानमंत्री मोदी जी ने 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनवाया और साथ ही गरीबों के घर की चिंता भी की। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों जरूरतमंदों को पक्की छत दी गई। करोड़ों परिवारों को मुफ्त राशन दिया गया। भारत ने आज दुनिया में अपनी ताक़त और पहचान स्थापित की है–चाहे वह स्वदेशी जागरण हो, आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख हो या विश्व राजनीति में भारत की भूमिका।÷ उन्होंने कहा कि भारत आज तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है और जनता का भरोसा

29वें राष्ट्रीय युवा उत्सव अंतर्गत प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

राजगढ़/नवप्रदेश। 29वें राष्ट्रीय युवा उत्सव अंतर्गत जिलें में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन इण्डोर खेल परिसर में किया गया। जिसमें भाषण, पेंटिंग, कहानी लेखन, कविता लेखन, विज्ञान मेला प्रदर्शनी, लोकनृत्य एवं लोकगीत विधा में पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद साहू द्वारा सरस्वती पूजन कर किया गया। जिला स्तरीय युवा उत्सव में जिले के लगभग 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। भाषण विधा में प्रथम स्थान पर जेन्स अस्टिन, द्वितीय स्थान पर ओम कुम्भकार एवं तृतीय स्थान ऐश्वर्या सागर ने प्राप्त किया। इसी प्रकार विज्ञान मेला प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर प्रयाग शाक्यवार, द्वितीय स्थान पर अदिति भीलाला एवं तृतीय स्थान पर ईशिता मेवाडे, पेंटिंग में प्रथम स्थान पर पूजा सोनी, द्वितीय स्थान पर अमृतापाल एवं तृतीय स्थान पर लोकेश प्रजापति, कहानी लेखन में प्रथम स्थान पर टिना विश्वकर्मा, द्वितीय स्थान पर अपर्णा सिंह खींची एवं तृतीय स्थान पर श्रेयाशी सिंह डाबी, कविता लेखन में प्रथम स्थान पर तमन्ना राव, द्वितीय स्थान पर दिव्या दांगी एवं तृतीय स्थान अनुष्का शर्मा, लोकगीत में प्रथम स्थान पर पचोर ग्रुप, द्वितीय स्थान पर लोकराग संगीत एवं तृतीय स्थान स्वामी विवेकानंद ग्रुप तथा लोकनृत्य में होली एंजल किड्स एकेडमी कुरावर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसीके साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर श्री प्रताप सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री के.एल. बंजारे, संभागीय खेल अधिकारी श्रीमति शर्मिला डावर द्वारा पुरुस्कार प्रदान कर संभाग स्तरीय युवा उत्सव हेतु चयनित प्रतिभागियों को शुभकामना प्रदान की गई।

नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की तैयारी हेतु प्रक्रिया एवं समय सारणी का संशोधित कार्यक्रम

सीहोर/नवप्रदेश। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की तैयारी के लिए प्रक्रिया एवं समय सारणी जारी की गई है। आयोग द्वारा निर्धारित समय सारणी के तृतीय चरण की कार्यवाही में संशोधन किया गया है। जिसमें दावा आपत्ति प्राप्त करना एवं अंतिम मतदाता सूची तैयार करने का कार्य किया जाएगा। तृतीय चरण के संशोधित कार्यक्रम अनुसार 08 अक्टूबर 2025 से 24 अक्टूबर 2025 अपरान्ह 03 बजे तक दावा आपत्ति केन्द्र पर दावे आपत्ति प्राप्त करने की अवधि निर्धारित की गई थी। इसी प्रकार दावा आपत्ति आवेदन पत्रों के निराकरण की अंतिम तिथि 04 नवंबर 2025 है। निराकृत दावा आपत्ति आवेदन पत्रों की श्वऋरू में प्रविष्टि की अंतिम तिथि 10 नवंबर, दावे आपत्ति की चैकलिस्ट तैयार करने की अंतिम तिथि 13 नवंबर, चैकलिस्ट की जाँच कर त्रुटि सुधार उपरांत वेण्डर को वापस करने तथा फोटोयुक्त और फोटो सहित अंतिम मतदाता सूची जनरेट करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर, फोटो सहित अंतिम मतदाता सूची को वेबसाइट पर अपलोड करने की अंतिम तिथि 18 नवंबर, फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची को मुद्रित कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराने की अंतिम तिथि 20 नवंबर, फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का नगरपालिका वार्ड तथा अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन की अंतिम तिथि 21 नवंबर, अंतिम मतदाता सूची की फोटो सहित CD/DVD

समय पर आवेदनो का निराकरण नहीं करने वालो के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश

विदिशा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में सीएम हेल्पलाइन, समाधान आन लाइन, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदन तथा जनसुनवाई व भ्रमण के दौरान प्राप्त हुए आवेदनो के निराकरणों पर संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाहियों की अद्यतन जानकारियां प्रस्तुत की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देशित किया है कि पूर्व उल्लेखित प्राप्त होने वाले आवेदनो का समय पर निराकरण कराने का दायित्व संबंधित विभाग के जिलाधिकारी का है। इस कार्य में लापरवाही प्रदर्शित होने पर असंचयी प्रभाव से वेतन वृद्धि रोकने के कार्य संपादित किए जाएंगे। ततसंबंध में उन्होंने जिला नोडल अधिकारी को निर्देशित किया है कि कार्यवाही हेतु प्रकरण प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन की डी ग्रेड सूची में शामिल विभागो के अधिकारियों को स्पष्ट सचेत करते हुए कहा कार्यो के साथ-साथ निराकरण मामलो में तेजी लाएं। जिले की रैकिंग सूची में गिरावट आ रही है जो कतिपय ठीक नहीं है अतः मासिक ग्रेडिंग रैकिंग सूची जारी होने से पहले जिले की स्थिति टॉप फाइव में शामिल हो यह कार्यो से परलिक्षित होना चाहिए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले में निर्माण कार्यो को संपादित कराने वाले विभागो के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि भवन अधूरे क्या है तथा पूर्ण कराए गए भवनों का उपयोग संबंधित विभागो के द्वारा अधिग्रहण कर उपयोग किया जा रहा है की नहीं कि विभागवार सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि ऐसे विभाग जिनके भवनों का निर्माण कार्य अधूरा है कि सम्पूर्ण जानकारी कारणो सहित प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले में संचालित होने वाली बसो में किरायादर सूची प्रदर्शित हो ताकि यात्रीगणो से मनमानी राशि वसूली ना जाए। किरायादर बस में ऐसे स्थान पर प्रदर्शित हो जिसे यात्रीगण सुगमता से देख व पढ़ सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रदाय की जानी वाली छात्रवृत्ति के कार्यो की भी समीक्षा की। जिस संस्थानो के द्वारा छात्रवृत्ति संबंधी आवेदनो को दाखिल कराने में कोताही बरती जा रही है विद्यार्थियों को सहयोग नहीं किया जा रहा है। उन शैक्षणिक संस्थाओं के संचालको को संबंधित विभागो के जिलाधिकारी संपर्क कर स्पष्ट अवगत कराएं कि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति फार्म भरने व प्राप्ति में कहीं चूक ना हो। कलेक्टर श्री गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक में धरती आबा केम्पो का भी जायजा लिया वहीं समय पर उचित मूल्य दुकानो से राशन का उठाव व

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402 , कौशल्या विहार , नेपियर टाउन , 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर) ।